अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–12 अंक–218 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ गुरुवार 7 दिसम्बर 2023 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

ड्राइवर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के कृष्णानगर थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपने कमरे में अंगौछा के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बुधवार सुबह जागने पर परिजन की नजर पड़ी तो शव को फंदे से नीचे उतार कर अस्पताल ले गए, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इसके चलते खुदकुशी की वजह पता नहीं चल सकी है। अमर नाथ रावत पत्नी अनुराधा और तीन बच्चों दीपक प्रकाश, गौरव, शिवानी के साथ अपने साले सुधीर के घर भिलावा एवं आलमबाग में रहते हैं। सुधीर ने जानकारी देते हुए बताया कि दीपक प्रकाश (28) प्राइवेट गाड़ी चलाता है। वह बचपन से ही अपने मामा के घर पर रह रहा था। दीपक रोजाना की तरह गाड़ी चलाकर बीती मंगलवार रात करीब दस बजे घर आया और पानी पीकर अपने कमरे में वापस चला गया। कुछ देर बाद बहन के पास आया और बातचीत कर दोबारा अपने कमरे में चला गया। बुधवार सुबह करीब साढ़े सात बजे दीपक का फोन बजने पर वह नहीं उठा तो उसकी मां अनुराधा ने कमरे में जाकर देखा तो दीपक का शव फंदे पर लटका हुआ था। परिजनों ने शव को नीचे उतार कर लोकबंधु अस्पताल ले गए, जहां पर डॉक्टरों ने दीपक को मृत घोषित कर दिया। कृष्णा नगर इंस्पेक्टर जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि दीपक के आत्महत्या करने के सही कारणों का पता लगाया जा रहा है। घटनास्थल पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

खड़े ट्रक से टकराई कार, दूल्हे के भाई समेत तीन बराती घायल

बस्ती। जिले में मुंडेरवा मार्ग पर मंगलवार रात करीब 7.30 बजे लहरी गांव के पास कार अनियंत्रित होकर सड़क पर खड़े ट्रक में टकरा गई। कार के परखच्चे उड़ गए। कार से बरात जा रहे दूल्हे के भाई समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक की हालत नाजुक बताई जा रही है। सभी घायलों को ओपेक हॉस्पिटल कैली ले जाया गया है। जहां से एक को लखनऊ रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, अभय मिश्रा निवासी छबिलहा ,कन्हैया दूबे निवासी नगहरा अपने मित्र कोतवाली क्षेत्र के रौता चौराहा निवासी अभिजात पांडेय के साथ उनके भाई की शादी में संतकबीरनगर के उमरिया बाजार बरात जा रहे थे। मुंडेरवा से महादेवा की तरफ जाते समय लहरी गांव के पास खड़े ट्रक में कार जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार सड़क की दूसरे तरफ चली गई। तेज आवाज सुनकर स्थानीय लोग एवं राहगीर एकत्रित हो गए। घायलों को निजी वाहन से ओपेक हॉस्पिटल कैली ले जाया गया। जहां हालत नाजुक देख अभिजात पांडेय को डॉक्टर ने लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

आंबेडकर का अपमान करने वालों के बारे में गांव-गांव जाकर बताना होगा : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि भारत विरोधी गतिविधियों के

जरिए समाज को विभाजित कर देश को कमजोर करने की कोशिश कर रहे लोग आंबेडकर का अपमान कर रहे हैं। सबको इस बारे में गांव–गांव जाकर बताना होगा। मुख्यमंत्री ने डॉक्टर आंबेडकर के 67 वें परिनिर्वाण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए किसी का नाम लिए बगैर कहा, बाबा साहब भीमराव आंबेडकर ने एक बात कही थी कि हम सबसे पहले भारतीय हैं। आज जब कुछ लोग भारत को कोसते हैं, भारतीयता का अपमान करते हैं, जाति के नाम पर समाज में खाई को चौड़ा करने का काम करते हैं, तो वे एक प्रकार से बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान करते हैं। उन्होंने कहा, बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का हर एक काम देश के नाम था। जो लोग आज भारत विरोधी गतिविधियों के माध्यम से समाज को विभाजित करते हैं, भारत को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं, वह बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का अपमान करते हैं। हम सबको इस बारे में गांव–गांव जाकर बताना होगा। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा, पहले की सरकार में चेहरा देखकर कार्रवाई करती थीं। चेहरा देखकर योजनाओं का लाभ देती थीं। कोई दलित समर्थक होता था तो कोई दलित विरोधी हो जाता था। जो विरोधी थे वे तो विरोध में थे ही, लेकिन जो समर्थक बनने का काम करते थे वह भी दलितों के पक्ष में काम नहीं कर पाते थे। वे दलितों के नाम पर अपनी रोटी तो सेंकते थे लेकिन गरीबों और वंचितों के लिए कोई प्रभावी कार्यक्रम तैयार नहीं कर पाए थे। मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार पर समाज के सभी वर्गों के लिये बिना किसी भेदभाव के काम करने का दावा किया और कहा, पहली बार आपने देखा होगा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जाति, मत, मजहब को महत्व दिए बिना एक नारा दिया–सबका साथ, सबका विकास। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी वर्गों को योजनाओं के साथ जोड़ा है। बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के सपनों को सही मायनों में अंगीकार करने और 26 नवंबर की तिथि को संविधान दिवस के रूप में स्थापित करने का काम भी अगर किसी ने किया है तो वह प्रधानमंत्री मोदी ने ही किया है। आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा सरकार हर गरीब, दलित और वंचित के साथ खड़ी है और उन्हें उनका अधिकार देने के लिए तैयार है। उन्होंने पिछली सरकारों पर तंज करते हुए कहा, क्या पहले कभी कोई मुसहर, वनटांगिया, चेरो, थारू, कोल, अहरिया और सहरिया जाति के लोगों के बारे में पूछता था? यह सभी ऐसी छोटी–छोटी जातियां हैं जो एक सीमित क्षेत्र में हैं। उनकी आवाज दबा दी जाती थी जबकि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर ने उनके उत्थान के लिए कार्य योजना बनाने की बात कही थी। आज मुझे बताते हुए खुशी है कि डबल इंजन की भाजपा सरकार 'सबका साथ, सबका विकासश के लक्ष्या के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि दुनिया में डॉक्टर आंबेडकर अपनी आवाज बुलंद करने के इच्छुक हर दबेकुचले व्यक्ति के लिये प्रेरणा के स्रोत हैं। उन्होंने कहा, दुनिया में जहां कहीं भी जब भी किसी दबे–कुचले समाज की आवाज को बुलंद करने की बात आती है तो लोगों के दिमाग में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर का ही नाम आता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉक्टर आंबेडकर के सपनों को साकार करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार अनेक कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा ''सरकार हर दलित, वंचित और गरीब के साथ खड़ी है और उसे संबल प्रदान करेगी।

लविप्रा जोन 5 जानकी पुरम विस्तार में मानकों के विपरीत भ्रष्ट अधिकारियों के संरक्षण में हो रहे हैं अवैध निर्माण

नोटिस कर कार्यवाही के नाम पर हो रही है खाना पूर्ति

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन जोन 5 जानकी पुरम विस्तार में भ्रष्ट अधिकारियों के संरक्षण में नियम विरुद्ध अवैध निर्माण हो रहा हैं। सहायक अभियंता व अवर अभियंता के हौसले इतने बुलंद है कि इन पर खबर का समाचार पत्रों में प्रकाशित होने व शिकायतें होने पर भी कोई फर्क नही पड़ता। ज्यादा दबाव पड़ने पर नोटिस जारी करके जिम्मेदारी पूरी कर दी जाती है पर अवैध निर्माण कार्य होता रहता है। उक्त शिथिल कार्यशैली के चलते इस क्षेत्र में मानचित्र बिना पास कराये व मानचित्र के नियमो के विपरीत दर्जनों निर्माण हो रहे है। जो उक्त प्राधिकरण के अधिकारियों की भ्रष्ट कार्य शैली का प्रमाण है। आखिर लविप्रा के अधिकारियों के द्वारा नोटिस जारी होने के बाद व अवैध निर्माण सील होने के बाद भी कैसे पूर्ण हो जाते है ? इस तरह के अवैध निर्माणों के लिए कौन जिम्मेदार है ? क्या इन निर्माणों के लिए लविप्रा के अधिकारियों की भ्रष्ट कार्य शैली व उनका कोई निजी स्वार्थ जिम्मेदार है ? अवैध निर्माण कर्ता के साथ ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों के खलाफ उपाध्यक्ष लविप्रा द्वारा जांच कराकर सख्त विभागीय कार्यवाही क्यों नही की जाती है?

पांच साल में 4.76 लाख करोड़ रूपये खर्च नहीं कर सके 16 विभाग

कैग की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

लखनऊ। यूपी सरकार के अधीन 16 विभागों ने पांच साल में 4.76 लाख करोड़ रुपये खर्च ही नहीं किए। यह कैग की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है।टॉप तीन में वित्त विभाग और बेसिक शिक्षा विभाग भी शामिल है। राज्य सरकार के अधीन 16 विभागों ने पांच साल में 4.76 लाख करोड़ रुपये खर्च ही नहीं किए। विधानसभा में पेश सीएजी रिपोर्ट में ये खुलासा हुआ है। खर्च न करने वालों में वित्त विभाग पहले और सबसे नीचे आवास विकास विभाग है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुदान के अंतर्गत सतत बचतों का मतलब है कि या तो योजनाओं और कार्यक्रमों पर काम नहीं किया गया अथवा धीमी गति से काम किया गया। इसके परिणामस्वरूप 16 विभाग पांच साल में 4.76 लाख करोड़ रुपये खर्च नहीं कर सके। वर्ष 2018–19 से वर्ष 2022–23 के बीच के ऑडिट में पाया गया कि बेहद महत्वपूर्ण विभागों ने धीमी गति से काम किया या फिर किया ही नहीं।पांच साल में खर्च न करने वाले विभागों का लेखा–जोखा खुद गवाह है। जिन विभागों ने बजट खर्च नही किया ,उनमें क्रमशःआवास विकास 6570 करोड़,मध्यम उद्योग 16500 करोड़,कृषि व अन्य 37264 करोड़,गृह विभाग 22421 करोड़, चिकित्सा 13616 करोड़,चिकित्सा परिवार कल्याण 10620 करोड़,नगर विकास विभाग 35074 करोड़,न्याय विभाग–12947 करोड़महिला बाल कल्याण 16240 करोड़,राजस्व विभाग 6925 करोड़,वित्त विभाग ऋण 105783 करोड़,वित्त विभाग भत्ते 52013 करोड़ ,शिक्षा विभाग प्राथमिक 70423 करोड़शिक्षा विभाग माध्यमिक 11141 करोड़, समाज कल्याण 43720 करोड़ और सिंचाई विभाग ने 15674 करोड़ नही खर्च किये।

अम्बेडकर के प्रयासों से मिला अमीर गरीब को बराबरी का हक : जयंत

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार भारत के संविधान निर्माता एवं दलितों के मसीहा बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर पार्टी के जिला कार्यालय लखनऊ पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष जयसिंह 'जयंत' ने कहा कि संविधान की रचना में बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर का योगदान अविस्मरणीय है। उनके प्रयासों से संविधान में अमीर–गरीब को बराबरी का हक मिला। यह संविधान एक पवित्र दस्तावेज है, जिसमें व्यक्ति के मूल अधिकार सम्मिलित हैं। उन्होंने कहा कि हमें संविधान के अनुसार समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता के मार्ग पर चलना है। आज ऐसे दल की सत्ता है जो अम्बेडकर के विचारों से अनभिज्ञ है, इसी कारण समाज में असन्तोष व कलह का वातावरण है। देश और प्रदेश में महिलाओं के ऊपर अत्याचार हो रहे हैं। श्रद्धांजलि सभा में राष्ट्रीय सचिव चौधरी जगदीप सिंह यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष फिदा हुसैन अंसारी, पूर्व विधायक अम्बीश सिंह पुष्कर, प्रदेश सचिव दिनेश सिंह, फैसल मकबूल, रामलखन चौरसिया, प्रदीप कनौजिया, चौधरी ज्ञान सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता सभा कृष्ण कन्हैया पाल, पूर्व प्रदेश सचिव, विजय सिंह यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक यादव, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सोनू कनौजिया, वरिष्ठ नेता राशिद अली, नागेन्द्र सिंह, भारत यादव, ज्ञानेन्द्र सिंह 'ज्ञानू', ब्लाक प्रमुख तानसेन यादव, मो इब्राहीम, ओमप्रकाश दिवाकर, लुकमान मंसूरी, फिरोज खान, उमाशंकर वर्मा, विदेश पाल यादव, चन्द्रशेखर यादव, रामसमुझ रावत, शशिलेन्द्र यादव, आरपी यादव, पवन यादव, आदिल इदरीश, रमेश सिंह 'रवि', पार्षद सुनील रावत, फारूख प्रधान, प्रमोद यादव, अजय रावत, रामनाथ रावत, अखिलेश भार्गव, दिवाकर यादव, प्रेमलता यादव, प्रवेश यादव, रामबाबू चौरसिया के साथ सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मायावती ने केंद्र सरकार की पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना पर उठाए सवाल

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) मुखिया मायावती ने बुधवार को बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना पर सवाल उठाए हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने आंबेडकर के 67वें 'परिनिर्वाण दिवस' पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, लगभग 140 करोड़ की विशाल आबादी वाले भारत के गरीबों, मजदूरों, दलितों, आदिवासियों, अतिपिछड़ों सहित उपेक्षित बहुजनों के मसीहा व देश के मानवतावादी समतामूलक संविधान के निर्माता भारतरत्न परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को आज उनके 'परिनिर्वाण दिवस' पर अपार श्रद्धा–सुमन अर्पित। उन्होंने आगे लिखा, देश के 81 करोड़ से अधिक गरीब लोगों को पेट पालने के लिए सरकारी अन्न के मोहताज का जीवन बना देने जैसी दुर्दशा ना यह आजादी का सपना था और ना ही उनके लिए कल्याणकारी संविधान बनाते समय बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर ने सोचा था, यह स्थिति अति–दुःखद।

पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा, देश में रोटी–रोजी के अभाव एवं महंगाई की मार के कारण आमदनी अठन्नी भी नहीं पर खर्चा रुपया होने के कारण गरीब, मजदूर, छोटे व्यापारी, किसान, मध्यम वर्ग सहित सभी मेहनतकश समाज की हालत त्रस्त व चिन्तनीय है, जबकि संविधान को सही से लागू कर उनकी हालत अब तक काफी संवर जानी चाहिए थी। ज्ञात हो कि गरीब कल्याण अन्न योजना को एक जनवरी 2024 से अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाया जाएगा। अंत्योदय परिवारों को प्रतिमाह 35 किलो खाद्यान्न वितरित किया जाएगा। योजना से 81 करोड़ से अधिक लोग लाभान्वित होंगे। आगामी पांच वर्षों में योजना पर 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक व्यय किया जाएगा। इस योजना की शुरुआत कोविड 19 महामारी के दौरान की गई थी।

नई दिल्ली में टॉफ्ट वाइल्डलाइफ टूरिज्म अवार्ड्स में यूपी को मिले तीन पुरस्कार

पारिस्थितिकीय तंत्र को बढ़ावा, वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध : जयवीर

लखनऊ। वन्यजीव पर्यटन पुरस्कार टॉफ्ट सैंक्चुअरी नेचर फाउण्डेशन तथा पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वधान में नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में आयोजित छठा टॉफ्ट वन्यजीव पर्यटन पुरस्कारों में पर्यावरण एवं वन्यजीव में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए उत्तर प्रदेश को तीन पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। ये पुरस्कार उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पर्यावरण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश समृद्ध जैव–विविधता और प्राकृतिक सुन्दरता के लिए प्रसिद्ध है, जिसके कारण पर्यावरण एवं वन्यजीव पर्यटन के लिए एक आदर्श गन्तव्य स्थल के रूप में विख्यात है। राज्य में कई संरक्षित क्षेत्र, राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभ्यारण्य हैं, जो पर्यटकों को वन्यजीवों को नजदीक से देखने और प्राकृतिक सुन्दरता का अनुभव कराने का अवसर प्रदान करते हैं। श्री सिंह ने बताया कि इन पुरस्कारों के लिए उत्तर प्रदेश को नामित करने से राज्य में पर्यावरण पर्यटन तथा ईको–टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक पर्यावासों को खूबसूरत बनाये रखने के लिए राज्य सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। जल, जमीन और जंगल को बचाये रखने के लिए काम किया जा रहा है, जो समन्वित रूप से उत्तर प्रदेश को पर्यावरण पर्यटन के लिए उपयुक्त बनाते हैं। इन स्थलों को देखने के लिए बेहतर कनेक्टीविटी तथा उच्चस्तर की कानून व्यवस्था भी है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि कार्यक्रम में भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग के सदस्य प्रशासन प्रवीण परदेशी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। पीलीभीत टाइगर रिजर्व को ट्रांसफार्मेटिव ससटेनेबल टूरिजम पोटेनशियल के लिए 'कैलाश सांखला पुरस्कार' भी मिला है। यह नया पुरस्कार बाघों के आवासों के संरक्षण और स्थानीय समुदाय के समर्थन से एकीकृत वन्यजीव पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए दिया गया। इस वर्ष पुरस्कारों के आयोजन में उत्तर प्रदेश पर्यटन एक भागीदार राज्य के रूप में शामिल था। मेला कोठी–चंबल सफारी लॉज, उत्तर प्रदेश को उत्कृष्ट पग रेटिंग लॉज के लिए संयुक्त विजेता के रूप में सम्मानित किया गया है। यह लॉज उत्कृष्ट पग प्रमाणन को समर्पित है, जो क्षेत्र की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत में एक गहन अनुभव प्रदान करता है। पर्यावरण–अनुकूल प्रथाओं के प्रति प्रतिबद्धता के साथ, पर्यावरणीय प्रबंधन और सांस्कृतिक अन्वेषण का एक सामंजस्यपूर्ण मिश्रण पेश करता हैं।पर्यटन मंत्री ने बताया कि अमिथ बांगरे को 2023 के लिए संयुक्त विजेता के रूप में लॉज नेचुरलिस्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अमित जागीर मनोरआईएचसीएस सेलेक्शन्स, दुधवा में मुख्य प्रकृतिवादी हैं, एक प्रकृतिवादी और संरक्षणवादी के रूप में 20 वर्षों का अनुभव रखते हैं।अमिथ की द एन्डेंजर्ड एटीनश् और 'उधबिलाव झील प्रोग्राम' जैसी पहल लुप्तप्राय प्रजातियों के लिए जागरूकता बढ़ाने की उनकी प्रतिबद्धता को उजागर करती है। प्रखर मिश्रा आईएफएस, निदेशक उत्तर प्रदेश पर्यटन और नवीन खंडेलवाल उप निदेशक पीलीभीत टाइगर रिजर्व ने कार्यक्रम में सहभागिता की। प्रखर मिश्रा ने कहा कि टॉफ्ट टाइगर वाइल्डलाइफ टूरिज्म अवार्ड्स 2023 का समर्थन करने पर गर्व है, जो न केवल वन्यजीव संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देता है बल्कि उत्तर प्रदेश में सस्टेनेबल और रिस्पांसिबल पर्यटन के लिए हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप भी है।

सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित अनुसंधान पद्धति पर दस दिवसीय पाठ्यक्रम

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग व सामाजिक कार्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, में 10 दिवसीय अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम का आयोजन किया, जो भारतीय परिषद सामाजिक विज्ञान अनुसंधान (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। अपने अध्यक्षीय भाषण में, एएमयू के कुलपति प्रो. मोहम्मद गुलरेज ने अनुसंधान और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दोहराया। मुख्य अतिथि, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति, प्रोफेसर गिरीश्वर मिश्रा ने शैक्षणिक संस्थानों में ज्ञान के विस्तार और अनुसंधान मानकों को ऊंचा उठाने का आग्रह किया। प्रोफेसर मिर्जा असमर बेग, डीन, सामाजिक विज्ञान संकाय और पाठ्यक्रम के संरक्षक ने कहा कि अनुसंधान, अपने मूल में, समझने की खोज है। एक अन्वेषण जो हम जानते हैं उसकी सीमाओं को पार करता है और हमें ज्ञान के अज्ञात क्षेत्रों में जाने की चुनौती देता है। इससे पूर्व अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए पाठ्यक्रम के निदेशक प्रो. नसीम अहमद खान ने पाठ्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह पाठ्यक्रम सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान विद्वानों के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत का प्रतीक है जो देश के विभिन्न हिस्सों से इसमें शामिल हुए हैं और अपने अनुसंधान कौशल को बढ़ाने के इच्छुक हैं। मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर शाह मोहम्मद खान पाठ्यक्रम के सह–निदेशक ने पाठ्यक्रम के डिजाइन के बारे में बताया और कहा कि यह पाठ्यक्रम नवीनतम संसाधनों और तकनीकों पर आधारित है, जिसमें अनुसंधान करने के लिए आवश्यक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग भी शामिल है। उन्होंने धन्यवाद ज्ञापन भी किया। डॉ. मो. आरिफ खान ने कार्यक्रम का संचालन किया।

सम्पादकीय

सकारात्मकता का पाठ सिखाते मोदी

पांच में से तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में रविवार को मिली छप्पर फाड़ जीत से गदगद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब अगले ही दिन संसद के शीतकालीन सत्र में हिस्सा लेने पहुंचे, तो वे उत्साह से इस कदर लबरेज थे कि उन्होंने संसद के द्वार पर विपक्ष को ‘सकारात्मकता’ का संदेश दिया और नफरत का भाव त्यागने की भी सलाह दी। उन्होंने विपक्ष को समझाया कि ऐसा करने से देश का उनके प्रति नजरिया बदलेगा जिसका उन्हें (प्रतिपक्ष को) इसलिये राजनैतिक लाभ भी मिलेगा क्योंकि जनता उनसे (विरोधी दलों से) मोहब्बत करने लगेगी।’ प्रधानमंत्री की उन्हें यह भी सलाह थी कि वे विरोध के लिये विरोध छोड़ें। तीन राज्यों में मिली पराजय का गुस्सा छोड़कर विपक्ष को चर्चा में भाग लेने के प्रति आगाह करते हुए पीएम ने उनसे सरकार की कमियों पर सलाह देने के लिये भी आमंत्रित किया। उन्होंने यह भी इशारा किया कि विपक्षी दलों का यह रवैया पिछले नौ वर्षों से चला आ रहा है। जाहिर है कि वे इन शब्दों में अपने ही कार्यकाल का उल्लेख कर रहे थे। एक मजबूत एवं सामर्थ्यवान विपक्ष की जरूरत बतलाकर मोदी ने सबको चकित भी कर दिया। प्रधानमंत्री के ये परामर्श ऊपरी तौर पर तो बेहद नेक नजर आते हैं और कोई भी यह नहीं कह सकता कि इस सीख को विरोधी नेताओं को नहीं अपनाना चाहिये। सवाल तो यह है कि क्या स्वयं मोदी इस कथित नकारात्मकता के भाव से ऊपर उठ चुके हैं? क्या उनमें विरोधी दलों एवं उनके नेताओं के प्रति नफरत का भाव कूट–कूटकर नहीं भरा हुआ है? सकारात्मकता का काढ़ा पिलाने की कोशिश करने वाले मोदी अगर ईमानदारी से अपने इन विचारों और खुद के आचरण पर ही गौर फरमाएं तो पाएंगे कि उनकी कथनी और करनी में धरती–आकाश सा फासला है। फिर भी, क्या ही अच्छा होता कि इस सलाह पर अमल की शुरुआत अगर उन्हीं से होती। जिन नौ वर्षों के दौरान के विपक्ष के रवैये से मोदी व्यथित नजर आये, उसे अगर उन्हीं के बरक्स देखें तो उनका यह वक्तव्य एक बड़े विरोधाभास से कतई कम नजर नहीं आता। अमूनन मीडिया से भागने वाले मोदी अब संसद का सत्र प्रारम्भ होने पर इस तरह से मीडिया के समक्ष संक्षिप्त से उद्बोधन के लिये नमूदार होने लगे हैं। कम से कम इसका स्वागत तो किया ही जा सकता है। और भी बेहतर होता अगर वे पिछले सभी प्रधानमंत्रियों की परम्परा का निर्वाह करते हुए सत्र की शुरुआत के वक्त प्रेस कांफ्रेंस करते। पत्रकारों से सवाल आमंत्रित करते और उनके जवाब देते। अपने दो कार्यकालों के दौरान यह शायद चौथा या पांचवा मौका रहा होगा जब वे मीडिया के सामने आये। एक ओर तो वे पत्रकारों से बात ही नहीं करते, तो वहीं दूसरी ओर संसद में उनकी उपस्थिति बहुत कम होती है। संसदीय परम्परा के ही अनुसरण में सारे पूर्व प्रधानमंत्री पूरे समय संसद के दोनों सदनों में हाजिर रहा करते थे। मोदी संसद के सत्रों के दौरान सदन के बाहर सभाएं या रैलियां करते फिरते हैं। शून्य काल या प्रश्न काल में वे नजर ही नहीं आते। अक्सर चर्चा खत्म होने के बाद वे आते भी हैं तो उनके भाषणों में विपक्ष के सवालों के सिलसिलेवार या तार्किक जवाब नहीं होते और न ही देश की चिंताओं को वे एड्रेस करते नजर आते हैं। तमाम महत्वपूर्ण विधेयक वे चर्चा के बगैर पास कराते हैं। कोई अगर सवाल करे तो वे या तो उस पर बात ही नहीं करते या फिर ऐसे मुखर सदस्यों की आवाज को अपने सांसदों के शोर–गुल में दबवा देते हैं। इस पर भी उनके लिये उठाये जाने वाले अड़चन भरे सवालों या बयानों को संसदीय कार्यवाही से विलोपित कर दिया जाता है या सदस्यों को ही निलम्बित करा दिया जाता है। इस पर भी मन न भरे तो उनके यहां केन्द्रीय जांच एजेंसियां दस्तक देने लगती हैं। सर्वदलीय बैठक जूनियर मंत्रियों के हवाले कर वे स्वयं बाहर सभाएं करते हैं। सरकार की त्रुटियों पर विपक्ष के विचार आमंत्रित करने का औदार्य दिखलाने वाले ये वही मोदी हैं जो अपनी आलोचना को विरोधियों द्वारा गालियां देना भी बतलाते रहे हैं। ऐसा वे संसद के बाहर व भीतर दोनों जगहों पर करते हैं। उनके कारोबारी मित्र गौतम अदानी या फिर चीन की भारतीय सीमा में घुसपैठ की बात की जाये तो वे इसे देश पर हमला बतलाने लगते हैंय और अगर नोटबन्दी या जीएसटी की असफलताओं पर विपक्ष बात करे तो उसे देशविरोधी करार दिया जाता है। पिछले 70 वर्षों का बिला नागा रोज हिसाब मांगने वाले मोदी से सम्बन्धित कोई सवाल अगर हो तो वे उन्हें मिलने वाली गालियों की संख्या बतलाने लगते हैं। या वे इस बात का रोना रोते हैं कि उन्हें क्या–क्या कहकर और कितने किलो गालियां दी गईं। अगर प्रधानमंत्री खुली चर्चा के इतने ही हिमायती हैं तो उन्हें अपने सांसदों, पार्टी प्रवक्ताओं, आईटी सेल, ट्रोल आर्मी से कहकर विपक्ष की आवाज दबाने के लिये चलाए जा रहे अभियानों को रुकवाना चाहिये। सब जानते हैं कि ऐसा होना सम्भव नहीं है क्योंकि यह मोदी व उनकी भारतीय जनता पार्टी का विपक्ष के खिलाफ एक बेहद अलोकतांत्रिक अभियान का हिस्सा है। मजबूत प्रतिपक्ष की वकालत कर उसे खुली चर्चा का न्यौता ऐसा कोई व्यक्ति दे ही नहीं सकता जो देश को उसकी सबसे पुरानी और आजादी के आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाने वाली कांग्रेस से ही मुक्त होने का न केवल सपना दिखाए बल्कि उसका नारा भी दे और ऐसा करने के तमाम अलोकतांत्रिक कदम उठाये। खुद मोदी कांग्रेस एवं सम्पूर्ण विपक्ष को अनेक प्रकार से बदनाम करने के अभियानों का (सफल) नेतृत्व करते आये हैं। वैसे जब प्रधानमंत्री संसद भवन को श्लोकतंत्र का मंदिरश बतलाते हुए विपक्ष को ज्ञान दे रहे थे तो उनकी भाव–भंगिमा में विनम्रता व सहजता नहीं थी। सम्भवतरू वे कांग्रेस पर खास तौर पर तंज कसने और उसका मखौल उड़ाने के लिये प्रकट हुए थे। ऐसा उन्होंने पहली बार नहीं किया। संसद के दस्तावेजों में उनके ऐसे अनेक भाषण संरक्षित होने चाहिये जो विपक्ष एवं राष्ट्र निर्माताओं के लिये अपमानसूचक शब्दों से भरे पड़े हैं। उनका यही रवैया सदन के बाहर दिये जाने वाले भाषणों में भी रहता है। बहुत पीछे जाकर उनके पुराने वक्तव्यों को उद्धृत करने की बजाये हाल के उनके कुछ बयानों को देखें तो उनका व्यवहार उनकी इस ताजा सीख से एकदम अलग है। पुरानी संसद से नये भवन में जाने के पहले उन्होंने इसी जगह पर कहा था कि श्विपक्ष रोना–धोना छोड़कर नयी शुरुआत करे। रोने–धोने से उनका आशय वही था जो इस बार की नकारात्मकता से है। यानी उन्हें असहज करने वाले प्रश्न न पूछे जायें और सरकार की हां में हां मिलाई जाये। मोदी की सकारात्मकता का यही आशय है। फिर, सवाल पूछने वाले उनके लिये मूर्खों के सरदार भी हो जाते हैं। अधिक पीछे गये बगैर मोदी के पिछले नौ वर्षों के राजनैतिक सफर को देखें तो कह सकते हैं कि सकारात्मकता अपनाने का जो संदेश वे दे रहे हैं उसकी शुरुआत उन्हीं से किये जाने की सख्त जरूरत है। आजाद मुल्क के गौरवशाली संसदीय इतिहास व लोकतांत्रिक विरासत को हमेशा गरियाने और विपक्ष विहीन भारत का नारा बुलन्द करने वाले मोदी ने जो बातें सोमवार को संसद भवन की दहलीज पर कीं, उसके एक छोटे से हिस्से पर भी वे अमल करें तो देश का न केवल लोकतंत्र बचा रहेगा वरन देश भी बच जायेगा।

हिंदी पट्टी के राज्यों को ‘गौमूत्र राज्य’ की संज्ञा देना राजनीतिक बौखलाहट है

तीन राज्यों– राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक एवं शानदार जीत से इंडिया गठबंधन के विभिन्न राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं की बौखलाहट बढ़ती जा रही है। इसी बौखलाहट का नतीजा है तमिलनाडु की सत्ताधारी दल डीएमके पार्टी के सांसद डीएनवी सेंथिलकुमार के द्वारा संसद में हिंदी पट्टी के राज्यों को ‘गौमूत्र राज्य’ की संज्ञा देना। उनके ऐसा बोलते ही संसद से लेकर बाहर के राजनीतिक गलियारों में हंगामा खड़ा हो गया। भाजपा ने सेंथिलकुमार के इस बयान का विरोध किया तो सांसद ने माफी मांग ली और लोकसभा की कार्यवाही से उनका बयान अब हटा दिया गया है। साथ ही कांग्रेस ने भी उनके इस बयान से पल्ला झाड़ लिया है। राजनीतिक स्वार्थों एवं संकीर्णताओं के चलते भारत की हजारों साल पुरानी संस्कृति एवं परम्परा को धुंधलाने एवं झुठलाने के ये षड्यंत्र राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता की बड़ी बाधा है।

गाय न केवल भारत की सनातन परम्परा बल्कि आम जनजीवन में आस्था का सर्वोच्च केन्द्र है। भारतीय गोवंश को माता का दर्जा दिया गया है इसलिए उन्हें ‘गौमाता’ कहते है, हमारे शास्त्रों में गाय को पूजनीय बताया गया है। हमारी माताएं बहनें रोटी बनाती हैं तो सबसे पहली रोटी गाय को ही देती हैं। गाय का दूध अमृत तुल्य होता है। न केवल गाय का दूध बल्कि समस्त गौ–उत्पाद भी अमूल्य है। इन दिव्य अमृत पंचगव्य का उपयोग यज्ञ, आध्यात्मिक अनुष्ठानों, बीमारी से निजात पाने और संपूर्ण मानवता के कल्याण के लिए किया जाता है। इसलिये गौमाता को आधार बनाकर भाजपा की जीत पर हमला करने की यह कुचेष्टा न केवल मानसिक दिवालियापन है बल्कि इससे भारत की जनभावनाएं आहत एवं लहूलुहान हुई है। गौमाता पर की गयी यह टिप्पणी एक सम्पूर्ण परम्परा एवं संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्टा है। ऐसी कुचेष्टाएं एवं साजिशें पूर्व में भी हुई हैं। तब भी गौमाता की तरह ही सनातन धर्म पर आपत्तिजनक बयानों से देश को तोड़ने का षड्यंत्र हुआ। तब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके

स्टालिन के बेटे और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने विवादास्पद बयान में सनातन धर्म की तुलना डेंगी, मच्छर, मलेरिया और कोविड से करते हुए असंख्य सनातनधर्मियों की आस्था पर कुठाराघात किया था। उनकी ही पार्टी डीएमके के सांसद ए. राजा ने तो हदें ही लांघते हुए हिंदू धर्म को ‘न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए अभिशाप तक कह दिया था।’ इन डीएमके नेताओं के बयानों से जब विवाद संभला नहीं तो उन्होंने सफाई दी, माफी मांग ली। अपनी कही बातों से किनारा पाने की इस बार भी पूर्व की तरह चेष्टा हुई, ये स्थितियां भारतीय राजनीति की विडम्बना एवं विसंगति है। कांग्रेस की हार का कारण ऐसी विसंगतियां ही बनती रही हैं। प्रश्न है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी क्या उत्तर भारतीयों के खिलाफ अपने सहयोगी दल के अपमानजनक बयानों से सहमत हैं? तीन राज्यों में से दो राज्यों– राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में ही इन चुनावों से पहले उसी की सरकारें थीं। क्या हिन्दी राज्यों का अपमान एवं तिरस्कार करते हुए कांग्रेस आगे बढ़ने की सोच भी सकती है? कांग्रेस कब तक देश को विघटित करने की राजनीति करती रहेगी? क्योंकि कांग्रेस के दबदबे वाली इंडिया गठबंधन में भी डीएमके एक अहम साझेदार है।

उत्तर भारत मे ‘गौमाता’ पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से कांग्रेस को किनारा करना, उसकी सूझबूझ एवं विवेक से ज्यादा विवशता है। यही कारण है महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मिलिंद देवड़ा ने इस टिप्पणी पर नाराजगी जताई और इसे अफसोसजनक बताया। उन्होंने खुद को सनातनी कहा है। कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने भी कहा कि डीएमके की राजनीति अलग है। कांग्रेस उनकी राजनीति से सहमत नहीं है। कांग्रेस ‘सनातन धर्म’ और ‘गौमाता’ में भी विश्वास करती है।’ क्या कांग्रेस का यह विश्वास सच्चा विश्वास है या वोट हासिल करने का हथियार मात्र है। इंडिया गठबंधन से जुड़े एक खास दल ने सनातनी परंपरा एवं हिन्दू भाषी राज्यों का बहुत बड़ा निरादर किया है। सनातनी परंपरा, सनातनियों एवं हिन्दू राज्यों का इस तरह का अपमान देश कैसे बर्दाश्त करेगा? निश्चित ही देश की आस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले दलों एवं नेताओं को जनता मुंहतोड़ जवाब देती है और देती रहेगी। आखिर सवाल यह भी है कि हिंदी या हिंदी भाषी राज्यों के विरोध में डीएमके पार्टी एवं उसके नेता किस हद तक गिरेंगे। हिंदी भाषी राज्यों को लेकर मन में यह दुराग्रह से आखिर क्या हासिल होने वाला है। इससे फायदे की जगह नुकसान ही होता है। डीएमके नेता सीधे–सीधे हिंदी भाषी प्रांतों में रहने वाले लोगों का अपमान कर रहे हैं।

भाजपा की जीत जनभावनाओं की जीत है और जीत का यह विजय रथ हिन्दी भाषी राज्यों के साथ–साथ दक्षिण भारत में भी विजय–पताका फहराते हुए आगे बढ़ रहा है। तेलगांना में भाजपा एक सीट से 8 तक आगे बढ़ी है, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भाजपा अपने होने का अहसास करा रही है, कोई आश्चर्य नहीं कि वहां पैर जमाते हुए भाजपा की सरकारें भी बनने लगें। कर्नाटक में तो उसने लम्बे समय तक शासन किया है। तीन राज्यों की ऐतिहासिक जीत से भाजपा का मनोबल जहां बढ़ा है वहीं इंडिया गठबंधन एवं कांग्रेस का मनोबल गिरा है। भाजपा एवं मोदी की सोच, नीतियां, योजनाएं एवं दृष्टिकोण की जीत पर विपक्षी दलों की ये ओछी प्रतिक्रियाएं उसे अधिक बलशाली ही बनायेगी। आदिवासी विकास का संकल्प, महिलाओं की भूमिका और 33 प्रतिशत आरक्षण का आश्वासन, समान नागरिक संहिता, सांस्कृतिक मूल्यों का विकास, युवाओं के लिये रोजगार, विश्वगुरु बनाने की कार्ययोजना, देश की सुरक्षा एवं साख जैसे गंभीर मुद्दों पर सार्थक उपक्रम का मोदी ही दम रखते जान पड़ते हैं। देश को आगे बढ़ाना है तो तुष्टीकरण, धर्म एवं संस्कृति को आहत करने की विकृत मानसिकता और भ्रष्टाचार से मुक्त होना आवश्यक है। मोदी ही गारण्टी की गारण्टी है, लेकिन इसमें अहंकार नहीं है, मोदी ने अपनी जगह पार्टी एवं देश की जनता को ही प्रमुखता दी, देश की जनता को हमेशा आगे रखा है। उन्होंने चुनावी सभाओं में साफ कहा कि पार्टी का चेहरा कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि कमल का फूल है, साफ–सुथरी नीतियां हैं, देश को सशक्त बनाने का संकल्प है। निश्चित ही इस बार के चुनाव परिणाम सनातन भारत को मजबूती देने वाले हैं, सनातन का अर्थ सच्चा भारत, सच्ची मानवीयता एवं उदात्त जीवन मूल्य। यही कारण है कि इसी सनातन के शिखर गौमाता को आधार बनाकर डीएमके पार्टी ने अपनी बौखलाहट को उजागर कर राजनीतिक अपरिपक्वता को दर्शाया है।

भारतीय न्याय व्यवस्था ने भी समय–समय पर ऐसे विवादास्पद एवं आपत्तिजनक मामलों में कहा है कि जब धर्म एवं आस्था को लेकर कोई टिप्पणी की जाती है तो उसमें ध्यान रखना चाहिए कि उससे किसी की भावनाएं आहत नहीं होनी चाहिए। संविधान में बोलने की आजादी मिली हुई है लेकिन बोलने की आजादी नफरत में नहीं बदलनी चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता घृणित भाषण नहीं हो सकती। यदि इसे नजरंदाज किया जाता है तो किसी भी बहस की दिशा पटरी से उतर जाएगी और इसके पीछे का उद्देश्य अपना महत्व खो देगा। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता निष्पक्ष और स्वस्थ सार्वजनिक बहसों को प्रोत्साहित करती है तो इससे समाज को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। गौमाता एवं सनातन धर्म पर विवाद निरर्थक है। वोट बैंक एवं तथाकथित राजनीति स्वार्थों के लिए आक्रामक भाषा का इस्तेमाल देश के लिए घातक है। इस तरह के आधारहीन विवादों को उछालने वाले डीएमके पार्टी जैसे राजनीतिक दल एवं नेता उजालों पर कालिख पोतने का ही प्रयास करते हैं। इस प्रकार की उद्देश्यहीन, उच्छृंखल, विध्वंसात्मक सोच से किसी का हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होता। ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसे समाज एवं राष्ट्र को तोड़ने वाली कुचेष्टाएं करने वालों की आंखों में किरणें आंज दी जाएं तो भी वे यथार्थ को नहीं देख पाते। क्योंकि उन्हें उजाले के नाम से एलर्जी है। तरस आता है समाज में बिखराव करने वाले ऐसे लोगों की बुद्धि पर, जो सूरज के उजाले पर कालिख पोतने का असफल प्रयास करते हैं, आकाश में पैबन्द लगाना चाहते हैं और सछिद्र नाव पर सवार होकर सागर की यात्रा करना चाहते हैं।

बाबा बालकनाथ को राजस्थान का मुख्यमंत्री बनाकर कई संदेश देना चाहती है भाजपा

राजस्थान में विधानसभा चुनावों से पहले सबसे बड़ा सवाल था कि रिवाज बदलेगा या राज? जनता ने राज बदल कर रिवाज कायम रखा और इस बार सत्ता की बागडोर भाजपा को सौंप दी। भाजपा के हाथ में सत्ता की कमान आने के बाद अब पार्टी को फैसला करना है कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा? देखा जाये तो पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री पद की प्रबल दावेदार हैं लेकिन आलाकमान के रुख को देख कर लगता नहीं कि उन्हें इस बार सरकार का नेतृत्व करने का अवसर मिलेगा। वसुंधरा राजे जिस तरह पांच साल विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए घर से नहीं निकलीं और अंतिम समय में कुर्सी की चाहत रख रही हैं वह जनता को भी नहीं भा रहा है। इस बीच, राजस्थान में नए मुख्यमंत्री को लेकर जारी कयासों के बीच भाजपा के राज्य प्रभारी अरुण सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री के संबंध में पार्टी के संसदीय बोर्ड का फैसला सभी को मान्य होगा।

दूसरी ओर, नवनिर्वाचित विधायकों का पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से मिलना जारी है, जिसे शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है। वसुंधरा राजे खेमे के नेताओं ने दावा किया है कि अब तक लगभग 68 विधायक उनके आवास पर उनसे मिल चुके हैं। हम आपको बता दें कि राज्य में विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 199 सीटों में से 115 पर जीत हासिल की है। राजस्थान में अटकलें तो ऐसी भी हैं कि वसुंधरा राजे से अपने अच्छे राजनीतिक रिश्ते स्वीकार कर चुके निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जरूरत पड़ने पर कांग्रेस विधायकों का समर्थन वसुंधरा राजे को दिलवा सकते हैं। लेकिन वसुंधरा भाजपा से बगावत करेंगी, ऐसी संभावनाएं बेहद कम हैं। हम आपको यह भी बता दें कि भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे 2003 से 2008 और 2013 से 2018 तक दो बार राजस्थान की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। 2018 में भाजपा की हार और पार्टी के भीतर बदले हालात के बाद ऐसा माना जाने लगा था कि वसुंधरा राजे को किनारे कर दिया गया है। पहले के चुनावों में वह मुख्यमंत्री का चेहरा थीं लेकिन इस विधानसभा चुनाव में पार्टी ने ऐसी कोई घोषणा नहीं की तथा पार्टी के चुनाव चिन्ह

कमल और प्रधानमंत्री मोदी के नाम को आगे कर चुनाव लड़ा। हम आपको बता दें कि फिलहाल मुख्यमंत्री पद की दौड़ में अलवर के सांसद और तिजारा से विधानसभा चुनाव जीते बाबा बालकनाथ सबसे आगे चल रहे हैं। बाबा बालकनाथ के व्यक्तित्व का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी हाल में उनके एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। यही नहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बाबा बालकनाथ के नामांकन के समय आये थे और उनके समर्थन में जनसभा को भी संबोधित किया था। यही नहीं, योग गुरु बाबा रामदेव तथा देश के कई प्रमुख संतों ने राजस्थान विधानसभा चुनावों के दौरान जनता से बालकनाथ को चुनाव जिताने की अपील की थी। देखा जाये तो सांसद बालकनाथ को उतार कर तिजारा विधानसभा सीट जीतने की जो रणनीति भाजपा ने बनाई थी वह सफल रही। अब माना जा रहा है कि भाजपा बालकनाथ को राजस्थान की कमान सौंप कर विपक्ष को कई संदेश भी देना चाहती है।

देखा जाये तो अशोक गहलोत की सरकार के दौरान राजस्थान में तुष्टिकरण की राजनीति को जिस तरह बढ़ावा दिया गया उसके चलते रामनवमी और अन्य हिंदू त्योहारों पर दंगे और उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड जैसी घटनाएं देखने को मिलीं। धार्मिक प्रवृत्ति वाले इस शांत प्रदेश से लगातार अशांति की जो खबरें आईं वह देश के लिए भी चिंता का विषय बनीं इसीलिए भाजपा एक संत को कमान सौंपने पर विचार कर रही है। दूसरा, जिस तरह विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने सनातन धर्म पर लगातार हमले किये उसकी काट के लिए एक संत को कमान सौंप कर भाजपा देश भर के हिंदुओं को भी संदेश देना चाहती है कि एक तरफ कुछ लोग सनातन धर्म पर हमला कर रहे हैं तो दूसरी ओर भाजपा सत्ता की कमान संतों को दे रही है। इसके अलावा जिस तरह भाजपा के हिंदुत्व एजेंडे की काट के लिए अन्य पार्टियों के नेता भी चुनावों के दौरान मंदिर मंदिर जाते हैं उसको देखते हुए भी भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि हिंदुत्व की राह पर चलने वाली असली और मूल पार्टी वही है। भगवा पर हो रहे राजनीतिक हमलों को देखते हुए भाजपा भगवा को ही राजस्थान की राजनीति की कमान सौंपने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इसके अलावा बालकनाथ मूल रूप से यादव समाज से आते हैं जोकि ओबीसी श्रेणी में आता है। विपक्ष के नेता जाति जनगणना और ओबीसी का मुद्दा आजकल खूब उठा रहे हैं इसीलिए बालकनाथ का नाम आगे बढ़ाकर भाजपा विपक्ष के सारे अभियान की हवा निकाल देना चाहती है।

इन सब वजहों से महंत बालकनाथ इस समय मुख्यमंत्री की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं। जहां तक उनके व्यक्तिगत परिचय की बात है तो आपको बता दें कि उनका जन्म 16 अप्रैल 1984 को कोहरणा गांव के एक किसान परिवार में हुआ था। उन्होंने साढ़े छह साल की उम्र में संन्यास अपना लिया था और घर छोड़ कर आश्रम चले गये थे। बाल्यकाल में बाबा खेतानाथ ने उनका नाम गुरुमुख रखा था। वह 1985–1991 तक मत्स्येंद्र महाराज आश्रम में रहे थे उसके बाद वह महंत चांदनाथ के साथ हनुमानगढ़ जिले के नाथावली थेरी गांव में एक मठ में चले गए थे। बालकनाथ नाथ सम्प्रदाय के आठवें मुख्य महंत भी हैं। उल्लेखनीय है कि नाथ संप्रदाय में गोरख पीठ को इस संप्रदाय का अध्यक्ष माना जाता है और रोहतक की पीठ को उपाध्यक्ष। इस नाते बालकनाथ नाथ संप्रदाय के आठवें महंत माने जाते हैं। वह एक तरह से योगी आदित्यनाथ के गुरु भाई भी हैं। हम आपको बता दें कि महंत चांदनाथ ने 29 जुलाई 2016 को बालकनाथ को अपने उत्तराधिकारी के रूप में घोषित किया था। उस समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और योग गुरु बाबा रामदेव ने भी भाग लिया था। महंत बालकनाथ सांसद और विधायक होने के अलावा समाज सुधारक, वक्ता व आध्यात्मिक गुरु भी हैं। वह बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के चांसलर भी हैं।

हमेशा भगवा वस्त्र पहनने वाले और आध्यात्मिक छवि वाले बाबा बालकनाथ की गिनती भाजपा के फायर ब्रांड नेताओं में होती है। वह खुलकर हिंदुत्व की बात करते हैं और जब वह विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन भरने आये थे और चुनावों के लिए प्रचार कर रहे थे तब कई बार वह बुलडोजर से गये थे और अपराधियों को तीन दिसंबर तक प्रदेश छोड़ने की चेतावनी दे दी थी। हम आपको बता दें कि राजस्थान विधानसभा चुनावों के दौरान विभिन्न सर्वेक्षणों में भी बाबा बालकनाथ मुख्यमंत्री पद के लोकप्रिय दावेदार बनकर उभरे थे। बहरहाल, बाबा बालकनाथ के राजस्थान का मुख्यमंत्री बनने की बढ़ती हुई संभावनाओं को देखते हुए संत समाज में खुशी की लहर है। आल इंडिया अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी महाराज और निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर ललितानंद गिरी महाराज ने कहा है कि बाबा बालकनाथ की छवि सिर्फ राजस्थान में ही नहीं बल्कि पूरे देश में बहुत अच्छी है। यदि वह मुख्यमंत्री बनते हैं तो इससे समाज में एक अच्छा संदेश जायेगा। लगभग ऐसी ही प्रतिक्रियाएं देश के अन्य प्रमुख संतों की ओर से भी आ रही हैं।

राजस्थान के भाजपायी विधायक एक्शन में

जिन पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे निकले हैं, उनमें से एक राजस्थान भी है जहां भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर जीत हासिल की है। अभी वहां न तो सरकार बनी है और न ही मुख्यमंत्री चुने गये हैं, परन्तु उसके विधायक सक्रिय हो गये हैं। उनके एक विधायक कह रहे हैं कि वे माफियाओं को ढूंढ–ढूंढकर नाश्ते में खायेंगे, तो एक अन्य विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र के सभी नॉन वेज दुकानों को तत्काल प्रभाव से बंद करने के लिये पुलिस अधिकारियों को फरमान जारी कर रहे हैं। विकास की बजाय उदयपुर के कन्हैयालाल की मौत के आधार पर भाजपा के पक्ष में जनादेश का सम्भवतरू यही साइड इफेक्ट हो सकता है। भाजपा की जीत का यह तत्काल प्रभाव भी कहा जा सकता है। अगर भाजपा के विधायक और नेता अपनी सरकार बनने से ताकत पाकर अभी से ऐसी हरकतें कर रहे हैं तो आने वाले समय में और भी कई उदाहरण देखने को मिल सकते हैं। कहा जा सकता है कि पार्टी तो अभी शुरू हुई है, लेकिन ऐसे बयानों के चलते राज्य का सामाजिक माहौल कैसा बनेगा, उसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है। जयपुर के हवामहल से महज 600 वोटों से जीतने वाले बालमुकुंद आचार्य ने विधायक पद की शपथ लिये बिना ही सोमवार को स्थानीय पुलिस को आदेश दे दिया कि शाम तक उनके क्षेत्र के नॉन वेज के सारे ठेले हटाये जायें। उन्होंने पुलिस से कहा कि उनके लाइसेंसों की जांच की जाये और उन्हें दिखलाया जाये। आचार्य ने पुलिस अधिकारियों से यह भी पूछा कि वे स्वयं रिपोर्ट देंगे या उन्हें पुलिस स्टेशन आना पड़ेगा? राजस्थान मिली–जुली संस्कृति का प्रदेश है जहां सभी धर्मों के लोग रहते हैं। जाहिर है कि उनकी जीवन शैलियों में भी भिन्नता है। खान–पान सम्बन्धी रुचियां भी अलग–अलग हैं। चाहे शाकाहार हो या मांसाहार– सभी धर्मों के लोगों की जीवन पद्धति में दोनों ही तरह के भोजन शामिल हैं। ग्राम पीठाधिश्वर कहे जाने वाले बालमुकुंद आचार्य का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वे अपने मोबाइल पर किसी अधिकारी को निर्देश देते हुए दिखाई दे रहे हैं कि चांदी की टकसाल रोड पर मांसाहार की दुकानें हटा दी जायें। इस सड़क पर जितने भी ठेले खुले में नॉन वेज पदार्थ बिक रहे हैं, वे दिखने नहीं चाहिये। इस वीडियो के वायरल होने के बाद उन्होंने सफाई दी कि वे किसी को धमका नहीं रहे हैं बल्कि निवेदन कर रहे हैं। फिर भी उन्होंने साफ किया कि उन्हें विधायक बनने का सर्टिफिकेट मिल गया है और अब वे किसी मुहूर्त का इंतजार नहीं करेंगे। उनका यह भी आरोप था कि कांग्रेस शासन में अधिकारी टालमटोल करते थे परन्तु वे इस बात को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उनका कहना था कि उनके क्षेत्र के लोग खुले में मांस का व्यवसाय होते देखना पसंद नहीं करेंगे। उनकी शिकायत थी कि इसकी आड़ में गोमांस का भी कारोबार होता है। बालमुकुंद आचार्य अखिल भारतीय संत समाज की राजस्थान शाखा के प्रमुख हैं। वे हर ऐसे मामले में हिन्दुओं का पक्ष लेने पहुंचते हैं जहां किसी भी प्रकार का साम्प्रदायिक टकराव होता है। पिछले दिनों वे अपने एक और बयान के लिये चर्चा में आये थे जिसमें उन्होंने कहा था कि जयपुर के परकोटा क्षेत्र में बड़ी तादाद में मंदिर थे जिन्हें नष्ट किया जा चुका है। उन्होंने ऐसे सैकड़ों मंदिरों के उनके पास प्रमाण होने का भी दावा किया था। उन्होंने यह भी कहा कि अब वे हर रोज ऐसे ही एक मंदिर में जायेंगे जिन्हें ध्वस्त कर दिया गया है। इन मंदिरों के पुनर्निर्माण या जीर्णोद्धार का भी उन्होंने संकल्प ले रखा है। देखना यह होगा कि विधायक बनने के बाद अपने बढ़े हुए रसूख व शक्तियों के साथ वे अपने अभियान को कैसा और किस तरह का अंजाम देते हैं। अब तो सरकार भी उनकी है और यह भी सम्भव है कि वहां बाबा बालकनाथ को मुख्यमंत्री बना दिया जाये। फिर तो उनका संकल्प पूरा होकर ही रहेगा। उधर दूसरी तरफ जयपुर की ही झोटवाड़ा सीट पर जीते भाजपा नेता कर्नल (सेवानिवृत्त) राज्यवर्धन राठौड़ ने चेतावनी जारी कर दी है कि वे अब माफियाओं को ढूंढ–ढूंढकर निकालेंगे और नाश्ते में खाएंगे। उनका भी एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वे कहते हैं–मैं माफियाओं को नाश्ते में खाता हूं। जितने माफिया हैं वे कान खोलकर सुन लें कि अगर वे मुझको रोक सकते हैं तो रोक लें। अगर नहीं रोक सकते तो मैं माफियाओं को ढूंढ–ढूंढकर निकालूंगा, नाश्ते में खाऊंगा। हिम्मत है तो मुझे रोककर दिखा दो। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस की निवर्तमान अशोक गहलोत सरकार ने लोगों के पक्ष में अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की थीं। राज्य के लोगों के लिये 450 रुपये में रसोई गैस का सिलेंडर दिया जा रहा था। साथ ही अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने का भी ऐलान हुआ था। उनके द्वारा चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना भी लाई गई थी जिसके अंतर्गत किसी भी तरह की बीमारी का 50 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त किया जा रहा था। पहले यह राशि 25 लाख रुपये तक थी जिसे बाद में बढ़कर 50 लाख किया गया था। इसके मुकाबले भाजपा ने कन्हैयालाल नामक व्यक्ति की हत्या को प्रमुख मुद्दा बनाया था। साम्प्रदायिकता व ध्रुवीकरण को राजस्थान की जनता ने अपनी पसंद बतलाकर भाजपा के पक्ष में बड़ा समर्थन दिया। बड़ी बात नहीं अगर पहले दिन से ही भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक ऐसे बयान दे रहे हैंय क्योंकि वे जनता की पसंद को समझ गये हैं। फिर उन्हें अगला चुनाव भी तो जीतना है।

अब बच्चों का बनेगा अपार कार्ड

बच्चों की पढ़ाई लिखाई का अपार कार्ड में रहेगा लेखा जोखा

लखनऊ। आधार कार्ड अब हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। राशन की दुकान से लेकर सिम कार्ड लेने तक में ये काम आता है। अब ऐसा ही एक और कार्ड सरकार आपके बच्चों के लिए बनाने जा रही है।ये आने वाले समय में उनकी स्कूल की पढ़ाई–लिखाई से लेकर कॉलेज में एडमिशन लेने और नौकरी ढूंढने तक में मदद करेगा। इसका नाम सरकार ने 'अपार आईडी कार्ड' रखा है।भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने 'अपार आईडी कार्ड' बनाने की शुरुआत की है।ये देशभर में स्कूली छात्रों का पहचान पत्र होगा। इसे ' एक राष्ट्र, एक विद्यार्थी कार्ड' भी कहा जाता है।सरकार जो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लाई है उसके हिसाब से ही 'अपार कार्ड' बनाना शुरू किया है।'अपार कार्ड' का फुल फॉर्म 'ऑटोमेटेड परमानेंट अकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री' है। सरकार स्टूडेंट का 12 अंकों एक ऐसा आईडी कार्ड बनाएगी जो बचपन से लेकर उनकी पढ़ाई खत्म होने तक स्थायी रहेगा।उनके स्कूल बदलने पर भी उनकी 'अपार आईडी' एक ही रहेगी। ये उनके आधार कार्ड से अलग होगा और आपस में लिंक होगा। इसमें सभी जानकारी ऑटोमेटिक तरीके से अपडेट होती जाएगी।इसके लिए सरकार ने 'एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स' लॉन्च किया है। ये शैक्षिक रजिस्ट्री की तरह काम करता है, इसे आप 'डिजिलॉकर' की तरह 'एडुलॉकर' भी समझ सकते हैं।'अपार कार्ड' असल में एक छात्र की सभी तरह की जानकारी को डिजिटली स्टोर करेगा।इसमें उनकी पढ़ाई–लिखाई का सारा हिसाब–किताब होगा, जैसे कि बच्चों ने कितनी कक्षा तक पढ़ाई की है, उनको क्या–क्या इनाम मिला है, उनके पास कौन–कौन सी डिग्री है, उन्हें वजीफा यानि स्कॉलरशिप मिला है या नहीं, अगर मिला है तो कितना और कहां–कहां से मिला है, उनके किस कक्षा में कितने मार्क्स आए हैं, वगैरह–वगैरह सभी जानकारी इस कार्ड में डिजिटली ट्रांसफर होगी।'अपार कार्ड' बनवाने के लिए विद्यार्थी के पास एक वैलिड आधार कार्ड होना जरूरी है। 'डिजिलॉकर' पर उसका अकाउंट होना भी जरूरी है। विद्यार्थी की ई–केवाईसी पूरी की जाएगी।'अपार कार्ड' छात्र–छात्राओं को उनके स्कूल या कॉलेज जारी करेंगे। यह रजिस्ट्रेशन बच्चों के माता–पिता की सहमति से होगा।माता–पिता किसी भी समय अपनी सहमति को समाप्त यानि विड्रॉल भी कर सकते हैं। स्कूल और कॉलेज विद्यार्थियों को एक फॉरमेट फॉर्म देंगे, जिसे वह अपने माता–पिता से भरवाकर जमा कर सकते हैं। अभिभावकों की सहमति के बाद ही स्कूल या कॉलेज बच्चों का 'अपार कार्ड' बना सकेंगे।

कुकरैल में 50 घरों पर चला बुलडोजर, महिलाएं रोती हुईं मलबे से सामान बटोरती रहीं

लखनऊ। लखनऊ में कुकरैल नदी के किनारे बसे 50 घरों पर बुलडोजर चल रहा है। बुधवार सुबह लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के अफसर फोर्स के साथ बुलडोजर लेकर पहुंचे। बुलडोजर को देखते

ही भिकमपुर बस्ती के लोग जुट गए। सभी रास्ते को घेरकर खड़े हो गए। फिर पुलिस कर्मियों ने लोगों को किसी तरह से हटाया। इस दौरान एक महिला सड़क पर बैठ गई। इसके बाद प्रशासन ने लोगों को घर खाली करने को कहा। मगर जब किसी ने घर खाली नहीं किया, तो प्रशासन ने बुलडोजर चलवा दिया। रोते–बिलखते लोगों ने अफसरों से घरों को खाली करने का मौका मांगा। फिर प्रशासन ने लोगों को सामान खाली करने के लिए 2 घंटे की मोहलत दी। इस दौरान महिलाएं रोती हुई मलबे से सामान बटोरती नजर आईं। उन्होंने कहा कि यह गांव हमारा है। अवैध बस्ती नहीं है। यहां सैकड़ों सालों से रह रहे हैं। हालांकि, प्रशासन का कहना है कि यह अवैध अतिक्रमण है। कुकरैल नदी के किनारे 2000 से ज्यादा घर बने हैं। जिन्हें स्व।, नगर निगम, पीडब्लयूडी और सिंचाई विभाग ने खाली करने का नोटिस दिया है। इसमें मंदिर–मस्जिद भी हैं। इससे पहले मंगलवार को स्व। और जिला प्रशासन की टीम कब्जा हटाने के लिए चेतावनी दी थी। तब भी लोगों ने जमकर विरोध किया। भिकमपुर के लोगों का आरोप है कि मकान खाली कराने के लिए जिला प्रशासन और एलडीए की टीम ने स्थानीय प्रशासन की बिजली काट दी। यही नहीं, पुलिस ने उनके साथ जमकर बदसलूकी की थी। बिना महिला पुलिस के साथ प्रशासन की टीम वहां पहुंची थीं। पुलिस वालों ने महिलाओं के साथ में अभद्र व्यवहार किया। उनका सामान हटाने के लिए कूड़ा गाड़ी लाई गई थी। लोगों ने कहा कि आज हम लोग भूखे रह गए हैं। बच्चों से लेकर बूढ़े तक किसी ने भी खाना नहीं खाया। जिन घरों में खाना बन गया था, उन्हें फेंकने की नौबत आ गई। महिलाएं सुबह से रो ही रही हैं। कमल यादव ने बताया कि वह शादी के बाद यहीं आई थी। यह मकान उनके ससुर का है आजादी से पहले से वह यहां रहते आए हैं। अब अचानक अभियान चलाकर इस तरह से लोगों को बेसहारा करना सरकार की तानाशाही है। कृष्णकांत सिंह का कहना है, वह 35 साल से यहां पर रह रहे थे। सरकार की तरफ से जो मकान दिया भी जा रहा है, वहां तो सड़क ही खराब है और रहने लायक भी नहीं है। अब देखते हैं कि क्या कर सकते हैं? कहां जा सकते हैं? प्रशासन ने जिन लोगों को नोटिस दी गई है, उसमें से ज्यादातर लोग माइनॉरिटी और दलित क्षेत्र से आते हैं। अकबरपुर वाले इलाके में 80: आबादी माइनॉरिटी की है, जबकि भिकमपुरा इलाके में ओबीसी और दलितों की संख्या ज्यादा है। स्व। वीसी ने बताया, कुकरैल रिवर फ्रंट डेवलपमेंट के लिए कुल 1400 निर्माण को धराशाई किया जाएगा। जिसके लिए हमने ऑर्डर पास कर दिए हैं। करीब 70 लोगों को डूडा ने आवास आवंटित कर दिया है, उन्होंने अपना अलॉटमेंट लेटर भी प्राप्त कर लिया। प्रशासन का कहना है कि कुकरैल नदी के सौंदर्यीकरण का काम चल रहा है। इसलिए अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चल रहा है। हालांकि सौंदर्यीकरण शासन से अभी इसके लिए कितना बजट आए, यह तय नहीं हुआ है। लेकिन, नदी के दोनों किनारों को विकसित कर सौंदर्यीकरण करते हुए इको पर्यटन के हिसाब से डेवलप करने का प्रस्ताव है। इसके सौंदर्यीकरण के लिए रुड़की आईआईटी की टीम को नक्शा और बाकी प्रोजेक्ट तैयार करने का जिम्मा दिया गया है।

जिले में विकास के नाम पर लाखों का भ्रष्टाचार,नायब तहसीलदार ने पांच बिंदु की जांच रिपोर्ट में खोली पोल

बांदा। जिले से विकास के नाम पर लाखों के भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। जिसकी पुष्टि ग्रामीण तो कर ही रहे हैं, साथ ही नायब तहसीलदार ने खुद अपनी पांच बिंदुओं की जांच रिपोर्ट में लाखों रुपए के विकास कार्य में अनियमित होने की बात लिखी है। इतना ही नहीं उन्होंने टेंडर प्रक्रिया में सवाल खड़े किए हैं, और एक ही ठेकेदार को लाभ दिलाने के लिए बार बार उसी को कार्यों का ठेका देने की बात लिखी है और सांठ गांठ का खुलासा किया है पर यह जांच आगे नहीं बढ़ी वही वहीं दबा दी गई।बड़ी बात यह है कि लाखों का भ्रष्टाचार तब हुआ जब वर्तमान विधायक ओम मणि वर्मा नगर पंचायत अध्यक्ष हुआ करती थीं। लाखों रुपए के भ्रष्टाचार का यह मामला जनपद के नरैनी नगर पंचायत का है। जहां के कुछ ग्रामीणों से संपर्क किया और इस भ्रष्टाचार को उजागर करने का आग्रह किया और वह जांच रिपोर्ट दिखाई, जिसमें नायब तहसीलदार ने तालाब, आरसीसी रोड, नाली, ऑक्सीजन पार्क और मुक्तिधाम निर्माण में अनियमित होने की बात लिखी है। इस रिपोर्ट में लाखों रुपए के भुगतान की बात भी लिखी है, जिसके अनुरूप कार्य नहीं पाया गया। वहीं उन्होंने टेंडर प्रक्रिया में भी हेरा फेरी करने का खुलासा किया है।आपको बता दें कि नरैनी नगर पंचायत द्वारा सन 2019 – 20 में कुछ विकास कार्य कराए थे, जिसमें भ्रष्टाचार किए जाने की शिकायत प्रद्युम्न द्विवेदी नामक व्यक्ति ने की थी, जिसकी जांच के लिए उपजिलाधिकारी ने नायब तहसीलदार को आदेशित किया था।इसके तहत मुक्तिधाम निर्माण, गोधनी तलैया की खुदाई और सुंदरीकरण कार्य, ऑक्सीजन पार्क निर्माण और ट्रांसफार्मर से महेंद्र करवरिया के मकान तक बनाई गई सीसी रोड निर्माण की जांच की गई थी। यह जांच सन 2021 में की गई थी। फिर हम ग्रामीणों के साथ उस तालाब के पास पहुंचे जिसका जिक्र नायब तहसीलदार ने अपनी जांच रिपोर्ट में किया है। वह बिंदु नंबर 2 में गोधनी तलैया का जिक्र करते हुए लिखते हैं कि इसके कार्य की टेंडरिंग ही संदिग्ध है।इतना ही नहीं इस टेंडरिंग में तीन लोगों ने भाग लियास जिसमे दो पति पत्नी है यह जानते हुए भी टेंडर स्वीकार कर लिया गया और कपिल अवस्थी को मिल गया जो संदिग्ध है। वहीं वह लिखते हैं कि मिट्टी खुदाई और सुंदरीकरण में 2287585 रुपए का भुगतान किया गया। जहां न ही मिट्टी की खुदाई पाई गई और न ही गुणवत्ता पूर्ण कार्य कराया गाय अब आप इस तालाब की तस्वीरे भी देख रहे हैं, जिसका पानी जहरीला हो गया है।पूरा तालाब गंदगी से पटा हुआ है, जहां विकास के नाम भ्रष्टाचार साफ देखा जा सकता वहीं ग्रामीण भी भ्रष्टाचार किए जाने का आरोप लगा रहे हैं। नायब तहसीलदार 2021 ने 5 बिंदुओं में जांच की है जिसमें सभी कार्यों में अन्यिमतत्ता पाई गई है।

बाबा साहब ने दबे कुचले लोगों के हक व सम्मान के लिए आजीवन किया संघर्ष

लखनऊ। भारतरत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर निर्बल विकास जन कल्याण सेवा संस्थान के तत्वावधान में किला चौराहे के निकट बाबा साहब की प्रतिमा पर संस्थान के महासचिव रमेश सिंह

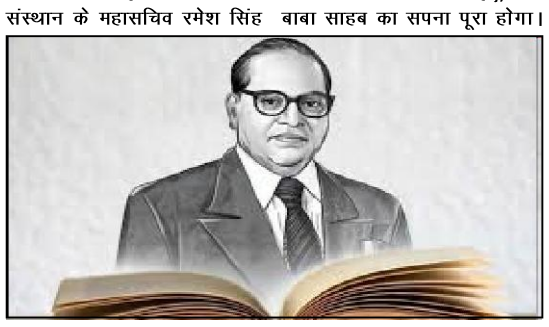

रवि ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।बाबा साहेब के जीवन और संघर्ष विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता संस्थान के महासचिव रमेश सिंह रवि ने की। इस अवसर पर बाबा साहब की प्रतिमा पर माला अर्पण करते हुए महासचिव रमेश सिंह रवि ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस के मौके पर कहा कि बाबा साहब ने अपने जीवन में देश के दबे– कुचले लोगों के हक व सम्मान के लिए संघर्ष किया । उन्होंने केवल दलितों के लिए ही नहीं बल्कि पिछड़े, गरीबों, मजदूरों, किसानो, युवाओं, महिलाओं आदि सभी को सम्मान दिलाया। बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के मन मस्तिष्क और समूचे जीवन दर्शन में भारतीय–भारतीयता व मानवता कूट–कूटकर भरी हुई थी। बाबा साहेब द्वारा बनाये गये संविधान के कारण ही देश में किसानों, नौजवानों, दलितों, पिछडो एवं महिलाओं को अपना अधिकार प्राप्त हुआ है और डॉक्टर अंबेडकर के सम्मान, राष्ट्रहित में किये गये योगदान को देशवासी सदैव याद रखेंगे। हम सबको बाबा साहब के अधूरे सपने को पूरा करने के लिए मतभेद भुलाकर करके बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए, तभी बाबा साहब का सपना पूरा होगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप नंद किशोर यादव, सुलेखा अमिता शर्मा,विभूति शुक्ला, सीमा यादव, कुमारी रूबी, रेखा शर्मा, अमन सिंह, रितिक कुमार, राम कुमार रावत, विशालकुमार उमेश रावत, सोनू गौतम आदि शामिल हुए ।

लखनऊ मध्य और उत्तर विधान सभा क्षेत्र में महिला मतदाता कम

लखनऊ। मध्य और उत्तर विधान सभा क्षेत्रों में महिला मतदाताओं की संख्या कम है।निरीक्षण को आए चुनाव आयोग के अधिकारियों ने जाने से पहले हिदायत दी कि महिलाओं की संख्या सूची में बढ़ाने के लिए गंभीरता से प्रयास करें।वर्तमान में लखनऊ पश्चिम का लिंगानुपात 862, उत्तर का 873 और मध्य का 895 है।पूरे शहर की नौ विधानसभा क्षेत्रों की बात करें तो लिंगानुपात 882 है यानि प्रति 1000 पुरुष मतदाताओं के मुकाबले इतनी महिला मतदाता हैं। मतदाताओं की संख्या बढ़ाने के लिए 2 और 3 को विशेष अभियान चलेगा। इसमें अधिक से अधिक ऐसी महिलाओं का आवेदन लिया जाएगा जिनके नाम अब तक मतदाता सूची में नहीं जुड़े हैं। इसके पूर्व चुनाव आयोग की टीम ने को लखनऊ उत्तर व लखनऊ मध्य में वोटर पंजीकरण केन्द्रों का निरीक्षण किया था। मतदाता सूची देखी और महिला वोटरों की संख्या के संबंध में एईआरओ, सुपरवाइजरों, बीएलओ से सवाल किए।

इंडिया की बैठक में जाने से मना कर फिर छेड़ा पीडीए का राग एनडीए को हरायेगा पीडीए : अखिलेश

लखनऊ। हालिया विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की शिकस्त के बाद इंडिया गठबंधन में दरारें नजर आने लगी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने छह दिसंबर को गठबंधन की बैठक बुलाई थी, जिसमें सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जाने से इनकार दिया। उन्होंने एक बार फिर से पीडीए के नारे को बुलंद किया है।अखिलेश ने कहा कि एनडीए को पीडीए ही हर सकता है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस से गठबंधन नहीं होने के बाद से ही अखिलेश यादव कांग्रेस से नाराज चल रहे हैं। चुनाव के दौरान भी दोनों दलों के बीच काफी बयानबाजी देखने को मिली थी, खुद सपा अध्यक्ष कांग्रेस पर सीधा वार करते दिखाई दिए और अब जब कांग्रेस को इन चुनावों में जबरदस्त हार का सामना करना पड़ा है तो अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन को छोड़ते हुए एक बार फिर पीडीए के दम पर एनडीए को हराने का दावा किया है। इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होने से इनकार के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट लिखी, जिसमें उन्होंने दावा किया कि पीडीए यानि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक मिलकर एनडीए को हरा सकते हैं।ये एक सामाजिक आंदोलन हैं. उन्होंने लिखा, पीडीए ही एनडीए को हरायेगा।पीडीए सामाजिक आंदोलन है। सामाजिक न्याय का संघर्ष है।अखिलेश यादव पिछले काफी समय से पीडीए का नारा बुलंद कर रहे हैं। उनका कहना है कि पीडीए में ही इतनी ताकत है कि जिसके जरिए एनडीए को हराया जा सकता है। वो लगातार जातीय जनगणना कराए जाने की भी मांग करते आ रहे हैं। उनका दावा है कि जब भी सपा की सरकार आएगी तो सबसे पहले जातियों की गिनती कराई जाएगी। सपा अध्यक्ष 2024 से पहले इस मुद्दे को और मजबूती से उठाने की तैयारी कर रहे हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के 66वां दीक्षांत समारोह में 43 हजार 398 स्टूडेंट्स को मिली डिग्री, 107 मेधावियों को मिला मेडल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का 66वां दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। इस दौरान 43 हजार 398 स्टूडेंट्स को डिग्री मिली। इसके साथ ही 107 मेधावियों को 193 मेडल मिला। समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने की। मुख्य अतिथि के रूप में आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक पद्मनी प्रो. बलराम भार्गव शामिल हुए हैं। समारोह में रेडफ्यूजन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संदीप गोयल को मानद उपाधि दी गई। विश्वविद्यालय की तरफ से सभी डिग्रियों को डिजिलाकर में भी ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध कराया गया। विश्वविद्यालय के छह दिसंबर को होने वाले दीक्षा समारोह के मुख्य अतिथि एम्स नई दिल्ली के कार्डियोथोरेसिक सेंटर के प्रमुख पद्मश्री डा. बलराम भार्गव हैं। पद्मश्री डा. बलराम भार्गव लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र भी हैं। उन्होंने किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी से क्लिनिकल मेडिसिन और कार्डियोलाजी (एमबीबीएस, एमडी, डीएम) में स्नातक, स्नातकोत्तर और सुपर–स्पेशलिस्ट मेडिकल डिग्री प्राप्त की। उन्हें कोविड–19 महामारी के दौरान स्वदेशी वैक्सीन के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। उन्होंने पहले नई दिल्ली में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के महानिदेशक के रूप में कार्य किया। भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव का पद भी संभाला हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के 66वें दीक्षा समारोह में विज्ञापन एजेंसी रेडिफ्यूजन के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डा. संदीप गोयल को मानद उपाधि से

सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान डा. गोयल की–असाधारण उपलब्धियों और विज्ञापन एवं मीडिया उद्योग में महत्वपूर्ण–योगदान के लिए दिया जा रहा हैं। विज्ञापन के लिए कई–वैश्विक पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता डा. संदीप गोयल विज्ञापन की दुनिया में बड़ा नाम हैं।डा. गोयल को अंग्रेजी साहित्य में स्वर्ण पदक और एफएमएस दिल्ली के पूर्व छात्र के रूप में भी पहचाना जाता हैं। उन्होंने एमबीए और पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के ओवनर–प्रेसिडेंट प्रबंधन कार्यक्रम में भी भाग लिया। डा. गोयल ने विज्ञापन और विपणन पर 9 पुस्तकें लिखी हैं। वर्ष 2018 से 2021 तक स्नैपचौट इंक इंडिया में अध्यक्ष का पद भी संभाला। वर्ष 2002 में ग्लोबल एमी अवार्ड्स की जूरी में पहले भारतीय के रूप में इतिहास रच चुके हैं।डॉ. संदीप गोयल ने बताया, प्री इंजीनियरिंग में 150 में से 65 नंबर थे। मैथ्स में इतने कम मार्क्स होने से पेरेंट्स खुश नही थे। मुझे सिर्फ एयरोनॉटिकल और मेटालर्जी का ही ऑप्शन बचा था। 150 में से 128 नंबर अंग्रेजी में आए। इसलिए मैंने इंग्लिश ऑनर को चुना, आगे चलकर मुझे 8 गोल्ड मेडल नही मिले। मुझे 1 गोल्ड मेडल जरूर मिला। एडवरटाइजिंग एक ऐसा प्रोफेशन हैं कि हम कुछ भी इश्तिहार बनाते हैं तो उस पर लोग राय जरूर रखते हैं। हां, पर अब समय जरूर बदल रहा हैं। बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स इस फील्ड में भी आ रहे हैं। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने बताया, मां–बाप बच्चों को शिक्षित होने के साथ बेहतर कैरियर के मकसद से पढ़ाई के लिए भेजते हैं। मुझे उम्मीद हैं कि आप इस डिग्री से जहां भी रहेंगे आस पास के लोगों को सुगंधित करेंगे। आज यहां का छात्र विश्व के किसी भी कोने में अमिट छाप छोड़ने में कामयाब रहता हैं। उन्होंने कहा, स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि जिंदगी का रास्ता बना बनाया नही मिलता, खुद से बनाना पड़ता हैं। मेडल पाने वाले छात्रों में वो पॉजिटिव सोच दिख रही थी। कुछ लोग सिर्फ पढ़ते हैं पर कुछ पढ़कर अपनी पहचान बनाने में कामयाब होते हैं। आज मेडल पाने वालों में बेटियां ज्यादा रही। अब सभी आगे बहुत सफल रहे और देश को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे। एक अच्छी सोच के साथ काम करे, तभी हमारे देश की तरक्की होगी। पद्मश्री प्रो.बलराम भार्गव ने कहा, विश्वविद्यालय के 103 साल पूरे हो चुके हैं। आजादी के अमृत काल मे प्रवेश कर रहे हैं। मैं जब पूछता हूं कि देश ने क्या बढ़िया किया हैं तो लोग कहते हैं आईटी और मोबाइल और फिर क्रिकेट और बॉलीवुड..पर लोग भूल जाते हैं कि हमारी डिफेंस सर्विस ने देश को सुरक्षित और संभाल कर रहने लगे। वाइट रेवोलुशन और अमूल की कहानी सब कोई जानता हैं। पीएम मोदी ने कहा हैं–जय जवान जय किसान जय विज्ञान, जय अनुसंधान, मैं डॉक्टर हूं इसलिए हेल्थ के विषय मे जरूर बताना चाहूंगा। 6 में से 1 डॉक्टर और 5 में से 1 नर्स भारतीय हैं। दुनियाभर की 60: से ज्यादा जेनेरिक मेडिसिन इसी देश से आती हैं। तुलसीदास जी के गुरु नरहरि दास थे। गुरु की पूजा उनसे लेनी चाहिए।आईआईएम इंदौर के मैनेजर नवीन कृष्ण राय को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश के इनोवेशन हब का सलाहकार नामित किया गया है। विश्वविद्यालय का यह इनोवेशन हब उत्तर प्रदेश में उत्कृष्टता के सूत्र को आगे बढ़ाने, छात्रों और युवा उद्यमियों के बीच नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने और एक मजबूत स्टार्टअप परिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने के उद्देश्य के लिए कार्य कर रहा है। गौरतलब है कि नवीन कृष्ण राय देश के एक जाने–माने मैनेजमेंट एक्सपर्ट हैं। वह पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ–साथ सिविल जजों को भी मैनेजमेंट विषय से संबंधित ट्रेनिंग प्रदान करते हैं। नवीन कृष्ण राय प्रदेश व जिला स्तर की विभिन्न समितियों जैसे कि जिला उद्योग बंधु व व्यापार बंधु समिति, लखनऊ, ट्रेनिंग मोड्यूल सिलेक्शन समिति, मध्य प्रदेश पुलिस, ई–गवर्नेंस सोसाइटी, जिला हरदा, एमपी आदि के नामित सदस्य के तौर पर मैनेजमेंट से संबंधित बहुमूल्य सलाह प्रदान करते हैं।

जी.बी. पन्त पालीटेक्निक में अंग्रेजी की राजपत्रित प्रवक्ता का अंग्रेजी ज्ञान निल बटा सन्नाटा

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ की मोहान रोड स्थित जी. बी. पन्त पालीटेक्निक में अंग्रेजी के राजपत्रित प्रवक्ता पद पर काम कर रही श्रद्धा सक्सेना पर उनके विषय अंग्रेजी का ही ज्ञान नहीं होने का गंभीर आरोप लग रहा है. लखनऊ के राजाजीपुरम क्षेत्र निवासी समाजसेविका और पूर्व में भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के आरटीआई प्रकोष्ठ की प्रदेश उप प्रभारी रह चुकीं उर्वशी शर्मा ने श्रद्धा द्वारा बीते 05 दिसम्बर को संस्था के प्रधानाचार्य को संबोधित हस्तलिखित छुट्टी के प्रार्थना पत्र की त्रुटियों के आधार पर इस प्रवक्ता पर यह गंभीर आरोप लगाया है और सूबे के सीएम योगी समेत तमाम अधिकारियों को शिकायत भेजकर श्रद्धा को राज्य सरकार के अनिवार्य सेवानिवृत्ति के शासनादेशों और नियमों के तहत सरकारी सेवा से बाहर करने की कार्यवाही आरम्भ कर शीघ्रातिशीघ्र अनिवार्य सेवानिवृत्ति प्रदान करने की मांग कर डाली है। बताते चलें कि यह पालीटेक्निक सूबे का एकमात्र ऐसा पालीटेक्निक है जो समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित है. सूबे के बाकी सभी पालीटेक्निक प्राविधिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित हैं. जी. बी. पन्त पालीटेक्निक बहुतायत अनुसूचित जाति–जनजाति और पिछड़े वर्ग के छात्रों के शिक्षण के लिए आरक्षित हैं। उर्वशी बताती हैं कि छुट्टी के प्रार्थना पत्र जैसा साधारण पत्र भी सही और शुद्धता से लिख पाने में नितांत अक्षम प्रवक्ता अंग्रेजी श्रद्धा सक्सेना को उनकी इस मानसिक अक्षमता के चलते ही अनिवार्य सेवानिवृत्ति देकर सेवा से बाहर करने के लिए उन्होंने देश हित,समाज हित,लोक हित तथा सरकार हित में मांग उठाई है। उर्वशी ने अपनी शिकायत में लिखा है कि अंग्रेजी भाषा और अंग्रेजी व्याकरण की अत्यधिक मोटी–मोटी और अत्यधिक गंभीर त्रुटियाँ वाले श्रद्धा के पत्र के अवलोकन से स्पष्ट है कि कतिपय कारणों से श्रद्धा अंग्रेजी भाषा और व्याकरण को पूरी तरह से भूल चुकी हैं और वर्तमान में इस विषय के शिक्षण के लिए मानसिक रूप से नितांत अक्षम हो गई हैं और यह भी कि श्रद्धा के प्रश्नगत प्रार्थना पत्र से अच्छा, सही तथा शुद्ध प्रार्थना पत्र तो आज का पांचवीं कक्षा का विद्यार्थी ही लिख लेता है। उर्वशी का कहना है कि मानसिक रूप से नितांत अक्षम श्रीमती श्रद्धा द्वारा छात्रों को जिस प्रकार का ज्ञान दिया जा रहा होगा उसकी तो सिर्फ कल्पना मात्र ही की जा सकती है और यह भी कि यदि देश के नौनिहाल श्रद्धा जैसे मानसिक रूप से अक्षम अध्यापक से शिक्षा ग्रहण करेंगे तो भाषा और व्याकरण के क्षेत्र में अज्ञानी रह जाने के कारण उनका भविष्य संवरने के स्थान पर बिगड़ना अवश्संभावी है और ऐसा होने देना न तो देश हित में है, न समाज हित में है,न ही लोक हित में है तथा न ही सरकार हित में है।उर्वशी को उम्मीद है कि कड़क प्रशासन के लिए विश्व में यूपी की अलग पहचान बनाने वाले सीएम योगी राजकोष पर गंभीर बोझ बन चुकी और गलत शिक्षण से छात्रों का निरंतर नुकसान कर रही श्रद्धा के खिलाफ शीघ्र ही वृहद लोकहित में अनिवार्य सेवानिवृत्ति की राज्य सरकार की पालिसी के तहत कार्यवाही करायेंगे।

मौनीबाबा धाम में मेला स्थल पर तैयारियां

बांदा। मौनीबाबा धाम में प्रति वर्ष की भांति आगामी 15, 16, 17 दिसंबर को आयोजित होने वाले विशाल भंडारा एवं मेला प्रदर्शनी की तैयारियों का एसडीएम ने निरीक्षण किया। स्पष्ट निर्देश दिए कि मेला परिसर में सफाई व्यवस्था का विशेष ख्याल रखा जाए।पौराणिक मौनीबाबा महोत्सव की तैयारियां अपने अंतिम चरण में है। यहां साफ सफाई के लिए विभिन्न ब्लॉकों के 108 सफाई कर्मी लगे हुए हैं। जो भंडारा स्थल, मेला मैदान, मधुबन तथा पर्यटन परिसर को साफ करने में लगे हुए हैं। वही पेयजल आपूर्ति हेतु मेला मैदान में अतिरिक्त पाइप लाइन डालकर स्टैंड पोस्ट बनाए जा रहे हैं। शौचालयों की साफ सफाई,रंगाई पुताई सहित उनमें पानी सप्लाई की व्यवस्था की गई है। विद्युत विभाग द्वारा सभी जगह प्रकाश व्यवस्था देने के लिए लाइटें लगाई जा रही हैं। वही 15 नए पोल लगाकर विद्युत लाइन खींची गई है। मेला प्रभारी एसडीएम बबेरू नमन मेहता ने को विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ मेला व भंडारा स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आश्रम से मेला मैदान को जाने वाले ध्वस्त मुख्य मार्ग को शीघ्र बनवाने के निर्देश दिए। इसके अलावा महिला प्रवेश द्वार के सामने मैदान को मिट्टी डालकर चौड़ा करने को कहा। उन्होंने पेयजल के साथ–साथ साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इस मौके पर एडीओ विनोद कुमार , कोतवाल पंकज सिह प्रधान, साकिर खां आदि मौजूद रहे।

घरेलू कलह से परेशान महिला ने दी जान

बांदा। कालिंजर थाना क्षेत्र में एक विवाहिता ने जहर खाकर जान दे दी। विवाहिता की शादी करीब 17 माह पहले हुई थी। मायके वालों ने बताया कि वह घरेलू कलह से परेशान थी। घटना कालिंजर थाना क्षेत्र की है। यहां रहने वाली उर्मिला (22) पत्नी मुखिया ने मंगलवार दोपहर घर पर जहर का लिया। खेत से लौटे पति ने जब उसकी हालत बिगड़ी देखी तो उसके होश उड़ गए। आनन–फानन उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान रात उसकी मौत हो गई। बड़े भाई राम सिंह निवासी मुरवा गिरवा ने बताया कि बहन उर्मिला की शादी बीते वर्ष पांच जून को हुई थी। उसकी बहन ससुराल में आए दिन घरेलू कामकाज को लेकर होने वाली कलह से परेशान रहती थी। पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

पुलिस की बदमाश से मुठभेड़, आरोपी गिरफ्तार,दो दिन पहले छात्रा ने दी थी जान

उरई/जालौन। जालौन में 2 दिन पहले एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली थी। दरअसल छात्रा ने एक युवक के उकसाने पर सुसाइड कर लिया था। इसकी शिकायत छात्रा के पिता ने पुलिस से की थी। जिसके बाद मंगलवार–बुधवार की देर रात पुलिस ने युवक का हाफ एनकाउंटर किया और उसे गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही उसके खिलाफ कार्रवाई भी शुरू कर दी है। इस मामले में कोंच सीओ उमेश कुमार पांडेय ने बताया कि सोमवार को एट कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हरदोई गूजर की रहने वाली बीएससी की छात्रा दीक्षा पाल (18) पुत्री रमाकांत पाल ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी थी। छात्रा की खुदखुशी को लेकर पिता रमाकान्त पाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि उनकी पुत्री की गांव के ही रहने वाले युवक शाहिद खान से दोस्ती थी। शाहिद आवारा किस्म का युवक है और उसकी अन्य महिलाओं से भी दोस्ती है। जब इसके बारे में दीक्षा द्वारा विरोध किया गया तो शाहिद ने दीक्षा को मर जाने के लिए उकसाया, जिससे परेशान होकर दीक्षा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जिसके बाद शाहिद फरार हो गया था। उक्त गंभीर प्रकरण को देखते हुए उच्चाधिकारियों द्वारा अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया गया था। गठित टीमों द्वारा अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु लगातार संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि शाहिद भागने की फिराक में है। सूचना पर सोमई से हरदोई गूजर जाने वाले प्रतीक्षालय के पास पुलिस की टीम द्वारा दबिश दी गई। आरोपी शाहिद ने खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग की, जिसमें टीम बाल बाल बची। आत्मरक्षार्थ के लिए पुलिस टीम ने भी जवाबी फायरिंग की। पुलिस की फायरिंग में अभियुक्त शाहिद गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। अभियुक्त के पास से अवैध असलहा, जिन्दा व खोखा कारतूस आदि सामान बरामद हुए हैं। पुलिस ने घायल अभियुक्त को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया है।

परिनिर्वाण दिवस पर याद किए गए बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर

लखनऊ। राजकीय संयुक्त सह क्षय रोग चिकित्सालय, ठाकुरगंज में नव–नियुक्त मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ एस पी सिंह की अध्यक्षता में संविधान निर्माता एवं सभी वर्गों के प्रेरणाश्रोत बोधिसत्व बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस मनाया गया। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। तत्पश्चात अन्य चिकित्साधिकारियों ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि वास्तव में बाबा साहब सदियों–सदियों तक लोगों की प्रेरणा का स्रोत रहेंगे और उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक डॉ एस के सोनी ने बताया कि इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ आनंद त्रिपाठी, डॉ कपिल सिंह वर्मा, डॉ ताबिन्दा ख्वाजा, डॉ लवकुश कुमार, डॉ रवींद्र श्रीवास्तव, डॉ अनित्या श्रीवास्तव, डॉ रंजना बाला, डॉ शिप्रा, अरविंद मिश्रा, आदिल रसीद खान, हफीजुर्रहमान, राम प्रसाद, डॉ एस के सोनी, मनोज कुमार, विजय गुप्ता, विनोद पांडेय, निखिल श्रीवास्तव, सरोज कुमार, विनोद सोनी, जितेंद्र कुमार, राजेश चौधरी, समस्त नर्सिंग, पैरामेडिकल एवं अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

बिजली मिस्त्री ने प्रेमिका से लाइव आकर लगाई फांसी

वाराणसी। वाराणसी के जैतपुरा नक्खी घाट क्षेत्र में बुधवार को बिजली मिस्त्री आदर्श गुप्ता ने प्रेमिका को फोन लगाकर वीडियो काल पर आत्महत्या कर ली। प्रेमिका से लाइव आकर सुसाइड करने के परिजनों ने तमाम फोन किए लेकिन युवक ने एक भी ना सुनी। युवक ने घर के अंदर पावरलूम मशीन के सहारे नायलोन की रस्सी से फांसी लगा ली। इससे पहले उसने अपने दोनों हाथ को ब्लेड से काट दिया था। परिजनों को जब इसकी जानकारी हुई तो घर में कोहराम मच गया। आदर्श के सामने उसका मोबाइल रखा मिला जिसमें कई वीडियो कॉल और वाइस कॉल था। जैतपुरा इंस्पेक्टर राजकुमार ने बताया कि युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। आदर्श के मोबाइल को जांच के लिए फॉरेंसिक भेजा गया है। जहां पर मोबाइल का लॉक खोल कर उसकी जांच की जायेगी। फिलहाल, मृतक के परिजनों ने घटना के बाबत कोई तहरीर नहीं दी है।नक्खी घाट रेलवे डाट पुल के पास प्यारे लाल गुप्ता का मकान है। प्यारे लाल का सबसे छोटा बेटा आदर्श बिजली मिस्त्री का काम करता था। परिजनों का आरोप है कि आदर्श ने किसी लड़की के चक्कर में लाइव सुसाइड किया है। परिजनों के मुताबिक आदर्श की मंगलवार रात पुरानेपुल इलाके में अपने परचित के यहां शादी समारोह में गया था। जहां से देर रात वह लौटा और सोने चला गया। सुबह जब बहन आरती जगी तो देखा कि पावरलूम मशीन की राड के सहारे आदर्श की लाश फांसी के फंदे पर झूल रही है। बहन के चीखपुकार के बाद परिजन मौके पर पहुंचे और आदर्श की लाश को फांसी के फंदे से नीचे उतारा। लाश के सामने उसका मोबाइल रखा था। जिस पर 100 से अधिक वाइस कॉल और करीब 20 वीडियो कॉल थे। आदर्श ने आत्महत्या से पहले अपने दोनों हाथों को ब्लेड से काट दिया था। आदर्श के द्वारा आत्महत्या किए जाने के कारण परिजनों को गहरा सदमा लगा है। छह भाई बहनों में आदर्श सबसे छोटा था।

सांसद अशोक रावत ने संसद मे उठाई व्यापारियों की मांग

हरदोई। सण्डीला शहर की घनी आबादी व मुख्य बाजार में आवागमन को देखते हुए लोकसभा क्षेत्र मिश्रिख के सांसद अशोक कुमार रावत ने लोक सभा में सिंगल पिलर पर एलिवेटेड फ्लाई ओवर बनाने की मांग उठाई।सांसद सत्र में अशोक रावत ने नियम 377 के अधीन सूचना पर अपनी बात रखते हुए सदन को अवगत कराया कि उन्होंने कस्बे की जनता की मांग के अनुरूप दिशा समिति की बैठक में 14 सितंबर 22 व 19 फरवरी 23 को सिंगल पिलर पर एक एलिवेटेड फ्लाई ओवर का निर्माण किए जाने का प्रस्ताव दिया था। इस संबंध में लोकसभा में नियम 377 सूचना के अधीन और सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को भी एक पत्र के माध्यम से अवगत कराया था लेकिन इस प्रकरण में अभी तक एनएचएआई के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। सांसद अशोक कुमार रावत ने संडीला कस्बे में एनएचआई 731 पर सिंगल पिलर पर एक एलिवेटेड फ्लाई ओवर के निर्माण किए जाने हेतु स्वीकृत प्रदान करने की मांग उठाई है। वहीं दूसरी ओर लखनऊ हरदोई के बीच बना रहे राज्यमार्ग का काम काफी तेज गति से चल रहा है। लेकिन इस राज्यमार्ग बनने को लेकर संडीला के व्यापारी लगातार अपनी मांगें जनप्रतिनिधियों तक रख रहे हैं। लगभग एक माह पूर्व मार्ग पर पड़ने वाली दुकानों के स्वामियों ने संडीला विधानसभा क्षेत्र से विधायक अलका अर्कवंशी से मुलाकात कर अपनी समस्याओं को रखा था। इसके बाद विधायक द्वारा एनएचएआई के अधिकारियों के साथ बैठक कर व्यापारियों की समस्याओं से अवगत कराया था और निस्तारण की मांग की थी। संडीला के व्यापारी संडीला में बन रहे अंडर पास फ्लाइओवर बनने से परेशान है। इसको लेकर वह लगातार जनप्रतिनिधियों से इसे ना बनवाने व इसके स्थान पर वन पिलर फ्लाइओवर बनवाने की मांग कर रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि अंडरपास फ्लाइओवर के निर्माण से व्यापार प्रभावित होगा इससे उनको आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। संडीला के व्यापारियों ने बताया की सांसद की मांग सदन में काफी देरी से हुई है राज्यमार्ग के निर्माण का कार्य शुरू है फ्लाइओवर को लेकर दुकान मकान तोड़े जा चुके हैं ऐसे में व्यापारियों की मांग पूरी होने की उम्मीद फिलहाल नजर नही आ रही है।

नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस की 61वीं वर्षगांठ पर कार्यक्रम

लखनऊ। नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवक सभी प्रकार की आपदाओं में सजग रहते हैं और बढ़–चढ़कर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हैं। यह विचार नागरिक सुरक्षा उत्तर प्रदेश पुलिस महानिदेशक मुकुल गोयल ने नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस की 61वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम के दौरान प्रकट किया। नागरिक सुरक्षा नियंत्रण कार्यालय परिसर पर आयोजित स्थापना दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक मुकुल गोयल ने परिसर में ध्वजारोहण किया, इसके तत्पश्चात स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया, जिसमें 23 वार्डेनों ने रक्तदान किया। गतदिनों राजकीय जुबली इंटर कॉलेज में आयोजित वृहद स्तर पर ब्लैक आउट मॉकड्रिल में प्रतिभाग करने वाले 100 से अधिक स्वयंसेवकों को मैडल और प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर लखनऊ चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्रा, डिविजनल वार्डेन सुनील कुमार शुक्ला, सीनियर उपनियंत्रक मनोज कुमार वर्मा को भारत सरकार द्वारा भेजे गए राष्ट्रपति पदक व प्रमाण–पत्र पुलिस महानिदेशक मुकुल गोयल द्वारा प्रदान किया गया। समापन अवसर पर वृक्षारोपण किया। चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्रा द्वारा आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ सहायक उपनियंत्रक सुमित मौर्या द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में उपनियंत्रक अनिता प्रताप, डिप्टी चीफ वार्डेन गुरप्रीत सिंह सेठी, स्टाफ आफिसर रितुराज रस्तोगी, सहायक उपनियंत्रक मनोज कुमार वर्मा, सुमित मौर्य, ममता रानी, ऋषि कुमार, रेखा पाण्डेय, मुकेश कुमार, डिविजनल वार्डेन प्रवीण श्रीवास्तव, सुनील कुमार शुक्ला, मुशीर अहमद, एन.के. शुक्ल, राकेश मिश्रा, राजेंद्र श्रीवास्तव, हेमंत कौशल, हरीश चंद्रा, अयाजुद्दीन सिद्दीकी, पोस्ट वार्डेन अजय कुमार गुप्ता, मोव असद किदवई, अशोक गुप्ता, सेक्टर वार्डेन रामगोपाल सिंह, मोहम्मद नफीस, संतोष सिंह आदि प्रमुख भूमिका निभाई।

नागरिक सुरक्षा संगठन का मनाया गया स्थापना दिवस

लखनऊ। नागरिक सुरक्षा संगठन का स्थापना दिवस नागारिक सुरक्षा के कन्ट्रोल रूम में मनाया गया। इस अवसर पर डीजी नागरिक सुरक्षा मुकुल गोयल ने नागरिक सुरक्षा का ध्वजा तोलन किया। सिविल डिफेंस लखनऊ के तत्वावधान में इण्डियन रेडक्रास शाखा लखनऊ के सहयोग से लगाये गये रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। 22 स्वयं सेवकों ने रक्तदान किया। डीजी सिविल डिफेंस ने इस अवसर पर राष्ट्रपति का संदेश पढ़कर सुनाया एवं राष्ट्रपति द्वारा प्रद्त पदक चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्र को पहनाकर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया ।स्थापना दिवस के अवसर पर डीजी द्वारा 30 अक्टूबर को आयोजित मौकड्रिल में सक्रिय भाग लेने वाले कार्यालय के कर्मचारी एवं 159 सिविल डिफेंस के स्वयं सेवकों को प्रमाण पत्र दिया। कार्याक्रम में बोलते हुए डीजी ने सभी लोगों को नागरिक सुरक्षा दिवस की बधाई दी एवं लखनऊ के स्वयं सेवकों की प्रशंसा की। प्रमाण पत्र पाने वालों में चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्र, डिप्टी चीफ वार्डेन गुरूप्रीत सिंह सेठी स्टाफ अफसर ऋतुराज रस्तोगी, डिवीजनल वार्डेन प्रवीन श्रीवास्तव, सुनील शुक्ला, डिप्टी डी.डब्लू हरीशचन्द्र, नन्दकिशोर शुक्ला, एस.ओ. राकेश मिश्र, हरीश चन्द्र, मुसीर अहमद, राजेन्द्र श्रीवास्वत एवं उपनियंत्रक अनीता प्रताप सहायक उप नियंत्रक सुमित मौर्या, मनोज वर्मा, ऋषि कुमार, मुकेश ममतारानी, रेखा आदि को प्रमाण पत्र प्रदान किया। डीजी ने पौधारोपण भी किया।

टिम्बर व्यापारियों की हर समस्या का होगा समाधान : वन मंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश टिम्बर एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने सचिवालय कार्यालय में वन एवम पर्यावरण मंत्री डा० अरून कुमार सक्सेना से मुलाकात की। जहां उन्हे सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश के काष्ठ आधारित उद्योगों से जुड़े टिम्बर व्यापारियों की ओर से धन्यवाद भी ज्ञापित किया। प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष मोहनीश त्रिवेदी ने किया। संरक्षक अख्तर खान, आढ़ती वसीम ने मंत्री के समक्ष ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अंतर्गत फरवरी 2023 से एमओयू करने वाले आवेदकों को फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के लाइसेंस में वरीयता दिए जाने व लाइसेंस संबंधी वेबसाइट शुरू होने के बाद से लगातार मानकों के विपरीत हजारों की संख्या में हो रहे आवेदनों पर रोक लगाए जाने की मांग रखी। साथ ही तमाम जिलों में लाइसेंस हेतु डीएफओ स्तर में जांच में आ रही समस्याओं संबंधी विषय से भी अवगत करवाया ।वन मंत्री डा. अरून कुमार सक्सेना ने आश्वासन दिया कि जिन टिम्बर व्यापारियों ने पहले से ही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आवेदन किया था व जिनकी लिस्ट संबंधित विभागों द्वारा बनाई गई थी। उनके साथ नाइंसाफी नहीं होने दिया जाएगा। इस अवसर पर श्री त्रिवेदी ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से उत्तर प्रदेश लगातार विकास के पथ पर अग्रसर है तथा व्यापारियों में नई ऊर्जा भरने का काम कर रहा है।

कांग्रेसजनों ने परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें बाबा साहब को श्रद्धा सुमन अर्पित किये

लखनऊ। भारतीय संविधान के निर्माता, स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री, भारत रत्न स्व0 बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस के मौके पर कांग्रेसजनों ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। प्रवक्ता ने बताया कि आज सर्वप्रथम हजरतगंज स्थित बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर राष्ट्रीय सचिव सह प्रभारी उत्तर प्रदेश तौकीर आलम, पूर्व विधायक श्याम किशोर शुक्ला, इन्दल रावत, गयादीन अनुरागी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रभारी प्रशासन दिनेश कुमार सिंह ने माल्यार्पण किया तद्पश्चात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर अपने संबोधन में राष्ट्रीय सचिव तौकीर आलम ने कहा कि बाबा साहब ने समाज सुधारक के रूप में विशेष कार्य किया। उन्होंने दलित समाज के उत्थान के अपने समय की चुनौतियों से लोहा लेते हुए लगातार संघर्ष किया। उन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और दलितों से सामाजिक भेदभाव के विरूद्ध अभियान चलाने के साथ श्रमिकों, किसानों और महिलाओं के अधिकारों का भी समर्थन किया। श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में प्रमुख रूप से प्रदेश सचिव अर्चना राठौर, अल्पसंख्यक कांग्रेस के अध्यक्ष शाहनवाज आलम, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी, पूर्व मंत्री राज बहादुर सिंह,अनीस अंसारी, मुकेश सिंह चौहान, नरेन्द्र दत्त त्रिपाठी, पुष्पेंद्र श्रीवास्तव, कैप्टन वंशीधर मिश्रा, बृजेन्द्र सिंह, विजय बहादुर, नरेन्द्र गौतम, रूद्र दमन सिंह, शाहनवाज खान, सिद्धी श्री, प्रभाकर मिश्रा, नितान्त सिंह, योगेश्वर सिंह, जे0पी0 मिश्रा, आदित्य सिंह, आर0के0 श्रीवास्तव, सुभाष श्रीवास्तव, जगदीश शरण अग्रवाल, अर्जुन यादव, संदीप पोद्दार, अयूब सिद्दीकी, संदीप वर्मा, जी0के0 दुबे, के0डी0 शुक्ला, जैसराम यादव सहित भारी संख्या में कांग्रेसजन शामिल रहे।

तापमान में गिरावट व बदलते मौसम से किसान रहे सावधान

अयोध्या। तापमान गिरने और लगातार मौसम में बदलाव से इस समय आलू की फसल में कई तरह के रोग लगने की संभावना बनी हुई हैं। अगर समय रहते इनका प्रबंधन न किया गया, तो आलू की खेती करने वाले किसानों को नुकसान उठाना पड़ सकता है ।वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. रवि प्रकाश मौर्य ने बताया कि मौसम की अनुकूलता तथा बदली होने पर आलू की फसल में फंफूद का संक्रमण होने की संभावना बढ़ जाती है। जो झुलसा रोग का प्रमुख कारण होता है। झुलसा रोग दो प्रकार के होते हैं। अगेती झुलसा और पछेती झुलसा। अगेती झुलसा दिसंबर महीने की शुरुआत में लगता है। इस रोग में पत्तियों की सतह पर छोटे–छोटे भूरे रंग के धब्बे बनते हैं। सर्वप्रथम नीचे की पत्तियों पर संक्रमण होता है। जहां से रोग ऊपर की ओर बढ़ता है। जिनमें बाद में चक्रदार रेखाएं दिखाई देती है। उग्र अवस्था मे धब्बे आपस में मिलकर पत्ती को झुलसा देते है। इसके प्रभाव से आलू छोटे व कम बनते हैं। जबकि पछेती झुलसा दिसंबर के अंत से जनवरी के शुरूआत में लगने की संम्भावना रहती है। जो आलू के लिए ज्यादा नुकसानदायक होता है। दोनों प्रकार की झुलसा बीमारी के प्रबंधान के लिये मौसम के साथ–साथ फसल की निगरानी करते रहना चाहिए। दोनों झुलसा बीमारियों के रोकथाम के लिए प्रोपिनेब 70 डब्ल्यूपी या क्लोरोथैलोनिल 75 डब्ल्यूपी फफूंदनाशक 400 से 500 ग्राम को 400 लीटर पानी मे घोल कर प्रति एकड़ के हिसाब छिड़काव करें। जैसे ही बादल आए तुरंत दवाओं का छिड़काव करना चाहिए। बीमारी की तीव्रता को देखते हुए फफूंद नाशक का 10 दिन के अन्तराल पर पुनः छिड़काव करें। किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि एक ही फफूंदी नाशक का छिड़काव बार–बार न करें। छिड़काव करते समय नाजिल फसल की नीचे की तरफ से ऊपर की तरफ करके भी छिड़काव करें। जिससे पौधे पर फफूंद नाशक अच्छी तरह पड़ जाए।

अफसोस दिवस के रूप में मनाया गया बाबरी मस्जिद शहादत दिवस

लखनऊ। राजनीतिक सामाजिक संगठनों द्वारा ए पी कैन रोड, एम के प्लाजा, चारबाग में अफसोस दिवस के रूप में मनाया गया राष्ट्रीय समाजिक कार्य कर्ता संगठन के संयोजक मुहम्मद अफाक ने अपने संबोधन में कहा कि 6 दिसंबर बाबरी मस्जिद की शहादत दिवस है, और नफरत फैलाने वाले लोगों ने चुना है इसी दिन को इस लिए चुना कियूं की यह दिन संविधान के वाहक बाबा साहेब भीमराव अंबिद की पुण्य तिथि है। और ये लोग संविधान के खिलाफ हैं. इससे पता चलता है कि दरअसल ये लोग बाबरी मस्जिद के साथ–साथ अंबेडकर की भी बरसी की खुशी मनाते हैं। 6 दिसंबर, वही तारीख जब 1992 में हिंदुत्ववादी ताकतों ने ऐतिहासिक बाबरी मस्जिद को ढह दिया था। इस घटना को 31 साल बीत चुके हैं, लेकिन मुस्लिम समुदाय और सेक्युलर सोच वाले लोगों के दिलों में इसका जख्म आज भी ताजा है। भले ही सुप्रीम कोर्ट ने ढाई गई बाबरी मस्जिद की जगह पर राम मंदिर बनाने का फैसला कर दिया है और जल्द ही भव्य राम मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा, लेकिन 6 दिसंबर 1992 का दिन इतिहास के पन्नों में एक काले निशान की तरह बना हुआ है। हमेशा आंखों में चुभता रहेगा 6 दिसंबर को हर साल मुस्लिम और धर्मनिरपेक्ष वर्ग द्वारा काला दिवस और हिंदुत्व वर्ग द्वारा विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। जाहिर है 6 दिसंबर 1992 की घटना ने हिंदू और मुस्लिम समुदाय के रिश्तों में ऐसी दरार पैदा कर दी है जो जल्द भरती नजर नहीं आती. बाबरी मस्जिद भले ही ढा दी गई हो, लेकिन मस्जिद के गुंबद और गुंबद पर कारसिवकों की छवि भारत के धर्मनिरपेक्ष लोगों के दिमाग में बनी हुई है और यह घटना धर्मनिरपेक्ष पार्टियों को याद दिलाती रहेगी। आगे मोहम्मद अफाक ने यह भी कहा कि 1990 में गैर संविधान के तहत कारस्याकों पर गोलियां चलवाकर हिंदू–मुस्लिम आबादी को बांटने की राजनीतिक साजिश रची गई थी. इस राजनीतिक षडयंत्र के कारण कई कारस्व शहीद हो गए। आज हम सभी इन शहीदों को भी शत–शत नमन करते हैं। कार्यक्रम में विशेष रूप से राष्ट्रीय भागीदारी आंदोलन के राष्ट्रीय संयोजक पीसी कारेल, रोशनी एक किरण की अध्यक्ष बहन फरीदा, उपाध्यक्ष रोशन जहां, राष्ट्रीय अध्यक्ष शराबबंदी संघर्ष समिति के मुर्तजा अली, साहेब सिंह धनकड़, इंडियन नेशनल मुस्लिम लीग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष फहीम सिद्दीकी, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के प्रदेश सचिव मुहम्मद अहमद, इसार फाउंडेशन के सचिव इरशाद अहमद सिद्दीकी, राष्ट्रीय संविधान सनरकछन के गौतम राणे सागर, मुहम्मद मक्की वकील लखनऊ। हाईकोर्ट, नागरिक अधिकार परिषद के अध्यक्ष रफी अहमद एडवोकेट, स्मार्ट पार्टी ऑफ इंडिया के सचिव शहजादे मंसूर अहमद, सैयद अली मुशीर जैदी, अब्दुल बासित रहमानी, जियाउल्लाह सिद्दीकी, डॉ. सईद कुरेशी, नरेंद्र यादव, फौजिया बानो, अलीमा समेत बड़ी संख्या में उपसतिथ थे।

परिनिर्वाण दिवस पर याद किए गये बाबा साहब,डीएम ने भी दी श्रद्धांजलि

बहराइच। जिले में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर के 67वें परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर कलेक्टेट में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी मोनिका रानी ने अपर जिलाधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव, मुख्य राजस्व अधिकारी अवधेश कुमार मिश्र, नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर, डिप्टी कलेक्टर पूजा चौधरी, अवनीश पाण्डेय, प्रशिक्षु पीसीएस ज्योति चौरसिया सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।
कहा कि बाबा साहब का परिनिर्वाण दिवस हम सबको उनके द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों एवं मूल्यों पर चलने के लिए पुनर्संकल्पित होने की प्रेरणा देता है। यही कारण है कि जाति आधारित भेदभाव के विरुद्ध लड़ाई, सामाजिक न्याय की प्रतिस्थापना, सशक्तीकरण के साधनों के रूप में शिक्षा पर विशेष जोर एवं समावेशी व समतावादी समाज की स्थापना के सन्दर्भ में उनका दर्शन आज पहले से भी अधिक प्रासंगिक है। अमृतकाल के इस दौर में भारत एक वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी पूरी क्षमता हासिल कर विश्वगुरू बनने की राह पर अग्रसर हो, इसके लिए हमें बाबा साहब द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों एवं मूल्यों को आत्मसात कर उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर पूरी निष्ठा के साथ चलने का व्रत लेना होगा और यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसी प्रकार विकास भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में बाबा साहब का परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रम्या आर. ने जिला विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार पाण्डेय, पीडीडीआरडीए राज कुमार, डीसी मनरेगा केडी गोस्वामी, डीपीआरओ राघवेन्द्र द्विवेदी, खण्ड विकास अधिकारियों व अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। बाबा साहब के व्यक्तित्व एवं कृत्तत्व पर प्रकाश डाला।

धर्मवीर प्रजापति ने स्वीकार किया होमगार्ड्स संगठन के स्थापना दिवस समारोह में मान-प्रणाम

योगी के नेतृत्व में हुए होमगार्ड जवानों की बेहतरी के लिए बहुत से कार्य

लखनऊ। होमगार्ड्स संगठन स्थापना के 62 में स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर आज होमगार्ड्स मुख्यालय पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। उत्तर प्रदेश के कारागार एवं होमगार्ड्स राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मवीर प्रजापति ने रैतिक परेड का मान–प्रणाम स्वीकार किया। इस अवसर पर धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि 2017 से प्रदेश सरकार में योगी के नेतृत्वमें होमगार्ड जवानों के लिए बेहतरी के लिए बहुत से कार्य किए गए हैं। होमगार्ड जवानों का दैनिक भत्ता पहले 375 रुपए हुआ करता था जिसे दो बार
में बढ़ाते हुए रूपये 600 कर दिया गया है साथ ही डी ए भी दिया जा रहा है ।उन्होंने कहा कि होमगार्ड जवानों के ड्यूटी एवं भत्ते को लेकर पहलेअनियमितता की लगातार शिकायतें मिलती थी लेकिन अब पारदर्शी व्यवस्था अपनाते हुए ड्यूटी एवं भत्ता से लेकर रिकॉर्ड ऑनलाइन कर दिया गया है। जिससे की जवानों को स्वयं ड्यूटी की जानकारी स्वतः प्राप्त होजाती है एवं उनके भत्ते सीधे खाते में भेजे जा रहे हैं। आज सॉफ्टवेयर सेउनकी ड्यूटी लगायी जा रही है। अनियमितता की गुंजाइश ही नहीं रहती। श्री प्रजापति ने कहा कि हमें गर्व है कि निर्वाचन के दौरान अन्य प्रदेशों से होमगार्ड जवानों की मांग आती है। उन्होंने कहा कि हमाराहोमगार्ड जवान कर्तव्य परायणता एवं निष्ठा से ड्यूटी करता है उसकी तारीफअन्य प्रदेशों से भी प्राप्त होती है। आज का यह रैतिक परेड कार्यक्रम ऐसाप्रतीत हो रहा था की जैसे 26 जनवरी की ही कोई झांकी हो। उन्होंने कहा किहोमगार्ड विभाग को बेहतर से बेहतर करने के लिए हमारे विभाग के वरिष्ठ अधिकारी लगातार प्रयत्न एवं मेहनत कर रहे हैं ।आज हमारा होमगार्ड जवानप्रशासनिक ड्यूटी के साथ–साथ सामाजिक कार्यों को भी बखूबी निभा रहा है ।उनका सामाजिक दायित्वों का निर्वहन प्रशंसनीय है ।वृक्षारोपण से लेकर गंगा सफाई एवं नदियों– नालों की सफाई के साथ–साथ हमारा होमगार्ड जवान आपदाओ के समय से उपस्थित रहकर सभी दायित्वों का निर्वहन पूरी लगन एवं तत्परता से कर रहा है ।उन्होंने कहा कि हमने अपने होमगार्ड जवानों कोनिर्देश दिए हैं कि मंदिरों एवं सड़कों पर अगर कोई भी विकलांग, बुजुर्ग,पुरुष महिला दिखे तो उसकी मदद करें ।श्री प्रजापति ने कहा कि आज हमारे होमगार्ड जवानों का न केवल ड्यूटीभत्ता बढ़ा है बल्कि उन्हें मुख्यमंत्री की तरफ से रूपये 5 लाख कीसहायता राशि उनके असामयिक निधन पर प्रदान की जाती है। उन्होंने यह भीबताया कि असामयिक मृत्यु की स्थिति में विभिन्न बैंकों के माध्यम से 30–40 लख रुपए की मृतक बीमा राशि भी प्रदान की जाती है ।इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव अनिल कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम तो एक बानगी मात्र है जो हम पूरे साल करते रहते हैं ।आज डायल 112 की कुशलता मेंहमारे होमगार्ड संगठन का एक बहुत बड़ा योगदान है। चौराहों पर हमारा जवानपूरी कुशलता एवं तत्परता से ड्यूटी करता है, देखकर प्रसन्नता होती है ।उन्होंने कहा कि निर्वाचन में न केवल प्रदेश में बल्कि अन्य प्रदेशों मेंभी ड्यूटी के मांग प्राप्त होते हैं और हमारा होमगार्ड जवान उत्तरदायित्वके साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करता है और निर्वाचन सफलतापूर्वक संपन्न करता है। हमारे जवान विषम से विषम परिस्थितियों में भी काम करते हैं जोअत्यधिक सराहनीय है। 80 हजार होमगार्ड जवानों को आज के समय में लगातारड्यूटी उपलब्ध कराई जा रही है ड्यूटी भत्ते को लेकर विलंब की शिकायतेंप्राप्त होती थी जिसमें सुधार की आवश्यकता ऑनलाइन व्यवस्था को अपनाया

गयाऔर अब प्रत्येक माह के पहले सप्ताह में ही ड्यूटी भत्ता जवानों के खातेमें उपलब्ध करा दी जाती है वर्दी भत्ता 3 वर्ष में एक बार दिया जाता है ।इसमें भी पूरी पारदर्शिता के साथ वर्दी भत्ता सीधे हमारे होमगार्ड जवानोंके खाते में भेज दी जाती है। उन्होंने कहा कि हमारा निर्णय लेने का आशयहोमगार्ड जवान तक उसका लाभ पहुंचाने की रहती है ।रैतिक पर स्थापना दिवस कार्यक्रम की शुरुआत में कमांडेंट जनरल होमगार्ड विजय कुमार मौर्य ने कहा कि होमगार्ड संगठन नित्य नई–नई ऊंचाइयों कोहासिल कर रहा है और नए रूप में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा होमगार्ड संगठन अन्य विभागों की तुलना में अधिक आधुनिक हुआ है ।रिकॉर्ड्स ऑनलाइन हुए हैं। ड्यूटी पेमेंट्स ऑनलाइन किये जा चुके है ।उन्होने मंत्री का स्वागत करते हुये कहा कि होमगार्ड विभाग आपके नेतृत्व में लगातार ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा जवान वृक्षारोपण से लेकर गंगा सफाई तक सभी अभियान को सफलतापूर्वक पूर्ण कर रहा
है उन्होंने कहा कि आपदा के समय राहत कार्यों में ट्रेंड जवानों की जरूरतहोती है। अतः हम अपने जवानों के ट्रेनिंग की व्यवस्था कर रहे हैं, ताकि आपदा के समय हमारे जवान कारगर साबित हो सके ।इस अवसर पर डीजी कारगार एस.एन. साबत डीआईजी विवेक कुमार सिंह, रणजीतकुमार सिंह, ए.के. सिंह, सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954
मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।